RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज़ मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः325, शनिवार, 10 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

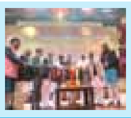

विकसित गांव की संकल्पना को पूरा करेगा "जी राम जी अधिनियम–2025" 03

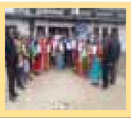

सर्वजन दवा सेवन अभियान की सफलता के लिए कोर ग्रुप के सदस्य करेंगे सहयोग 04

श्रद्धा कपूर कब करेंगी शादी? प्रशंसक के सवाल पर अभिनेत्री ने दिया ये... 07

राजस्थान में अब नहीं होगा बुलडोजर ऐक्शन!

- हाईकोर्ट की सख्ती, भजनलाल सरकार हुई तलब

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फागी–दूदू सड़क मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने और सौंदर्यीकरण के मामले में नया अपडेट आया है। इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। नगरपालिका फागी की ओर से बिना नोटिस दिए पट्टे निरस्त करने और संपत्तियों को तोड़ने के आदेश के खिलाफ स्थानीय लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायधीश ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस अनुरूप सिंघी की

एकलपीठ ने मामले को गंभीर मानते हुए सरकार से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने प्रमुख स्थानीय निकाय सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव, फागी उपखंड अधिकारी, नगर पालिका फागी के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को 13 जनवरी तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अदालत ने स्पष्ट आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों पर किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जाएगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा मालपुरा ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ताओं के पास करीब 60 वर्ष पुराने वैध पट्टे हैं।

ट्रक में घुसी कार...

पूर्व मंत्री की बेटी समेत तीन मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा और कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता आनंद कासलीवाल का बेटा प्रखर शामिल हैं। कार सवार एक युवती गंभीर घायल है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा रालामंडल इलाके में शुक्रवार सुबह करीब 5.15 बजे हुआ।

डीसीपी कृष्ण लाल चंदानी ने बताया, ग्रे कलर की नेक्सन कार में प्रेरणा बच्चन (26), प्रखर कासलीवाल (25), मानसंधु (26) और अनुष्का राठी सवार थे। प्रखर का जन्मदिन था, चारों शराब के नशे में थे और कोको फार्म में बर्थडे पार्टी मनाकर इंदौर लौट रहे थे। कार प्रखर चला रहा था। नशे में होने के कारण कार अनकंट्रोल होकर ट्रक में जा घुसी। हादसे में प्रेरणा, प्रखर, मानसंधु की मौके पर ही मौत हो गई। अनुष्का घायल है। कार में शराब की बोतल मिली है। चारों कार सवार इंदौर के रहने वाले हैं। प्रेरणा नर्मदा भवन के पास स्कीम नं 74, प्रखर कासलीवाल तिलक नगर, मानसंधु भंवरकुआं और अनुष्का रॉयल अमर ग्रीन की रहने वाली है।

अब उत्तर प्रदेश में बनेंगे सेना के साजो-सामान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताई डिफेंस पॉलिसी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में नया अध्याय शुरू हो गया है। अशोक लीलैंड के नए ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारत कमजोर भारत नहीं रहा।

देश अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में नेतृत्व कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैक्ट्री में ई-बसों का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और राजनाथ सिंह के साथ ई-बस में सफर किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हिंदुजा ग्रुप और

अशोक लीलैंड के सफर पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। योगी आदित्यनाथ ने कहा, उत्तर प्रदेश अब उत्सव का प्रदेश बन चुका है। कोई महीना या हफ्ता ऐसा नहीं है, जब यहां कोई उत्सव न हो। यूपी अब बीमारू राज्य नहीं है, बल्कि सबसे ज्यादा राजस्व वाला प्रदेश बन चुका है।

यूपी बनेगा रक्षा उत्पादन का बड़ा केंद्र

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारत कमजोर भारत नहीं रहा। देश अपने हथियार खुद बना रहा है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में हो रही है, जो देश के विकास में बढ़–चढ़कर योगदान दे रहा है। हमारी सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाया है। इसका मतलब है कि सेना के लिए हथियार, गोला–बारूद और लड़ाकू उपकरण अब बड़े पैमाने पर हमारे प्रदेश में बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपी फैक्ट्री में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन हो रहा है। पहले यह मिसाइल बाहर से आती थी, अब यह भारत में और विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में बनेगी। राजनाथ सिंह ने डिफेंस सेक्टर का जिक्र किया। इसका उद्देश्य अगले पांच साल में हजारों करोड़ रुपये के नए उद्योग और लाखों नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना है। उन्होंने कहा, हमारे गांव, कस्बे और शहर के बच्चे अब यहीं काम करेंगे, यहीं कमाएंगे और अपने परिवार को संभालेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश का इसमें मेजर योगदान है। डबल इंजन की हमारी सरकार ने विकास की गति को और तेज करने के लिए नई नीतियां बनाई हैं। आज जिस यूनिट का उद्घाटन हुआ है, वह सीधे तौर पर स्थानीय जनता के लिए लाभकारी है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल की भी तारीफ की। राजनाथ सिंह ने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा कि, ब्रह्मोस मिसाइल अब यूपी बनती है और इसके लिए सीएम योगी की पहल सराहनीय है।

- हिमाचल के सिरमौर में भीषण सड़क हादसा

बस खाई में गिरी, 9 लोगों की मौत, कई लोग जख्मी

नाहन (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले बड़ा हादसा हुआ है। जिले के रेणुकाजी विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को एक भयानक सड़क हादसे में कम से कम 9 लोगों

की जान चली गई। वहीं पांच लोगों के घायल होने की खबर है। सभी घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा तब हुआ जब जीत कोच की एक प्राइवेट बस हरिपुरधार बाजार के पास सड़क से फिसलकर लगभग 100 से 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह प्राइवेट बस कुपवी से शिमला जा रही थी। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस यात्रियों से भरी हुई थी। हादसा इतना भयावह है कि बस किसी धातु के मलबे में बदल गई है। इससे इलाके में तुरंत अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हादसा देखकर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर पहुंची और फौरन बचाव अभियान शुरू कर दिया। उन्होंने आधिकारिक टीमों के पहुंचने से पहले ही मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाल लिया। वहीं जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस, प्रशासनके साथ मिलकर राहत कार्यों में जुट गई। रेणुकाजी के विधायक विनय कुमार ने आठ लोगों की मौत की पुष्टि की है।

राहुल ने भाजपा को बता दिया 'भ्रष्ट जनता पार्टी'

- दिल्ली,यूपी से गुजरात तक का जिक्र कर जमकर घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि पार्टी की राजनीति में भ्रष्टाचार और

अहंकार का जहर फैल चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कई मुद्दों पर सरकार को घेरा है। राहुल गांधी ने कहा है कि देश भर में भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश भर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। बीजेपी सत्ता का दुरुपयोग कर रही है।

लोकतंत्र सत्ता में बैठे नेताओं के हिसाब से नहीं चलता

आई-पैक ऑफिस पर ईडी रेड के विरोध में ममता का मार्च

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर राज्य सियासत गरमाती जा रही है। ईडी की कार्रवाई बाधित करने के आरोपों के साथ जहां बीजेपी और दूसरे विपक्षी दल ममता बनर्जी पर हमलावर हैं तो वहीं सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में विरोध मार्च का नेतृत्व किया।

ममता बनर्जी स्ट्रीट फाइटर वाले अंदाज में ही दिखीं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बस स्टैंड इलाके से मार्च शुरू किया। ममता बनर्जी ने राजनीतिक बदले के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पस्चिम बंगाल में आईपैक के मुखिया प्रतीक जैन की घर और दफ्तर

पर छापेमारी के बाद ममता बनर्जी वहां पहुंची थीं। उन्होंने काफी फाइलें ले ली थीं। बनर्जी का आरोप है कि बीजेपी ईडी के जरिए पार्टी की स्ट्रैटजी को चोरी कर रही थी।

दुनिया को इलेक्शन के गुर सिखाएगा चुनाव आयोग

सवालों के बीच भारत मंडपम में होगा बड़ा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग दुनिया के विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन संस्थानों को अपने अनुभव साझा करने जा रहा है। आयोग 21 से 23 जनवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में पहला इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट आयोजित करने जा रहा है। यह भारत द्वारा लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन होगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से पहले, चुनाव आयोग ने गुरुवार को दिल्ली में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक

आयोजित की। इस बैठक में वैश्विक सम्मेलन में उनके नेतृत्व में संचालित होने वाले 36 थीमैटिक ग्रुप्स पर विस्तार से चर्चा की गई। आधिकारियों के अनुसार, ये थीम चुनाव प्रबंधन के सभी पहलुओं को कवर करती हैं और चुनाव प्रबंधन निकायों के समृद्ध एवं विविध अनुभवों पर आधारित ज्ञान के भंडार का विकास करने का उद्देश्य रखती हैं। ये 36 थीमैटिक ग्रुप्स राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में संचालित होंगे, जिनमें विशेषज्ञ भी योगदान देंगे।

सम्मेलन में 40 से अधिक होंगी द्विपक्षीय बैठकें

सम्मेलन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु एवं डॉ. विवेक जोशी भाग लेने वाले ईएमबी प्रमुखों एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें आयोजित करेंगे। इसके अतिरिक्त, सम्मेलन में चार आईआईटी, छह आईआईएम, 12 राष्ट्रीय विधि विश्व विद्यालयों तथा भारतीय जन संचार संस्थान जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी होगी। प्रतिभागियों को भारत की चुनावी व्यवस्था, प्रक्रियाओं एवं तकनीकी नवाचारों से परिचित कराया जाएगा, जो भारतीय चुनावों को विश्व की लोकतंत्रों में एक आदर्श बनाते हैं। बता दें कि यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब भारत में वर्तमान समय में विपक्षी दल आयोग पर आरोप लगा रहे हैं।

ईरान के 100 शहरों में महंगाई के खिलाफ जमकर हल्लाबोल

- अब तक 45 की मौत, खामेनेई बोले-ट्रम्प को खुश करने के लिए देश बर्बाद न करें

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और खराब हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन फैल चुका है। अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक 45 लोग मारे गए हैं, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2,270 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई ने देशभर में प्रदर्शनों के बीच पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। ईरान की सरकारी टीवी ने खामेनेई का भाषण प्रसारित किया। खामेनेई ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को बर्बाद कर रहे हैं। खामेनेई ने कहा कि ईरान विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत-कनाड़ा संबंधों में सुधार से बौखलाए खालिस्तान समर्थक

- बीसी प्रीमियर डेवी एबी के दौरे से नाराज, बोले-कनेडियन सिखों को अलग-थलग किया जा रहा

लुधियाना (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा और भारत सरकार के संबंधों में आई दरार के बाद कनाडा सरकार अब भारत के साथ संबंध बहाल करके व्यापार करना चाहती है। इसके लिए ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी एक प्रतिनिधि मंडल के साथ भारत दौरे पर आ रहे हैं। उनके इस दौरे पर खालिस्तान समर्थकों ने एतराज जताना शुरू कर दिया। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेवी एबी 12 जनवरी से 17 जनवरी तक भारत दौरे पर आ रहे हैं। डेवी एबी का यह दौरा ट्रेड मिशन के तहत किया जा रहा है।

- **खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को होगा नुकसान–** उन्होंने कहा कि, भारत–कनाडा के संबंधों में सुधार से खालिस्तान समर्थकों के एजेंडे को नुकसान हो सकता है। इसलिए खालिस्तान समर्थक नहीं चाहते कि भारत और कनाडा के संबंध अच्छे हों। दरअसल, कनाडा में बैठे खालिस्तान समर्थक भारत के खिलाफ अपना एजेंडा चलाते हैं। उन्हें डर है कि अगर भारत से संबंध अच्छे हुए तो उनकी गतिविधियों पर रोक लग सकती है। ब्रिटिश कोलंबिया के प्रीमियर डेविड एबी और बीसी के जॉब्स और इकोनॉमिक्स मंत्री रवि कालोन 12 से 17 जनवरी 2026 तक भारत के दौरे पर आ रहे हैं।

नदियों पर बांध के डर से घबराया पाकिस्तान

बोला-सिंधु जल संधि को रोक नहीं सकता भारत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सिंधु जल संधि पर रोक लगाने के भारत के फैसले से पाकिस्तान अब तक नहीं उबर पा रहा है। संधि पर रोक से पाकिस्तान पर कितनी तगड़ी मार पड़ी है, यह इस बात से पता चलता है कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी उसकी तिलमिलाहट कम नहीं हो रही है। अब एक बार पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर बयान दिया है। पाकिस्तान ने गुरुवार को कहा कि वह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का कथित उल्लंघन करके पश्चिमी नदियों पर संचालित भारत की किसी भी विकास गतिविधि को उसके साथ राजनीतिक और राजनयिक स्तर पर उठाएगा। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में यह भी कहा कि आईडब्ल्यूटी एक बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता बना हुआ है और संधि को रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए थे, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को रोकना भी शामिल था। अंद्राबी ने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत जांच के दायरे में आती है।

सैफ अली खान ने जीती भोपाल में अरबों की 'जमीनी जंग'

नवाब खानदान के पास ही रहेगी नयापुरा की 16 एकड़ की रियासत

भोपाल (एजेंसी)। राजधानी के नयापुरा क्षेत्र की 16.62 एकड़ पुश्तैनी भूमि को लेकर चल रहा ढाई दशक पुराना विवाद आखिरकार खत्म हो गया है। चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश संजय अग्रवाल की अदालत ने सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और बहनों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विपक्ष की याचिका को सिरे से खारिज कर दिया। यह विवाद साल 1998 में तब शुरू हुआ था, जब अकील अहमद और उनके साथियों ने इस जमीन पर अपना दावा ठोका था। उनका कहना था कि 1936 में नवाब हमीदुल्लाह खान ने यह जमीन उनके पूर्वजों को दान दी थी। लेकिन, अदालत में दावों की हवा तब निकल गई जब विपक्षी पक्ष दान से जुड़ा कोई भी ठोस दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

- **बेशकीमती जमीन पर मिल गया मालिकाना हक–** अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि यह याचिका न केवल सबूतों के अभाव में कमजोर है, बल्कि इसे दाखिल करने में भी कानूनन काफी देरी की गई थी। इस फैसले के बाद अब पटौदी खानदान का इस बेशकीमती जमीन पर मालिकाना हक पूरी तरह से साफ हो गया है। शहर के रियल एस्टेट और राजनीतिक हलकों में इस फैसले की खासी चर्चा है, क्योंकि यह जमीन शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित है। गौरतलब है कि सैफ अली खान भोपाल के नवाब हैं। उनकी कई संपत्तियां यहां हैं, जिन्हें लेकर कोर्ट में विवाद चल रहा है। एक मामले में उन्हें बड़ी राहत मिल गई है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार भर की यात्रा से विकास की नई रूपरेखा गढ़ रहे हैं नीतीश कुमार : राजीव

पटना। जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की पहचान एक ऐसे जननेता के रूप में है, जिनकी राजनीति का केंद्र आम जनता और लोकतांत्रिक संवाद रहा है। बिहार भर की यात्रा और लोगों से सीधा संवाद उनकी विशिष्ट कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा है। वे लोकतंत्र में जनता को सबसे आगे रखते हुए, न केवल जनता की बात सुनते हैं, बल्कि उस फीडबैक को शासन और नीति निर्माण का आधार भी बनाते हैं। इन यात्राओं से यह साफ झलकता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुरानी योजनाओं की समीक्षा को लेकर कितने गंभीर हैं। साथ ही, जहां-जहां विकास कार्य चल रहे हैं, उनकी वास्तविक स्थिति का भी उन्हें प्रत्यक्ष आकलन होता है। यह प्रक्रिया केवल वर्तमान कार्यों की निगरानी तक सीमित नहीं रहती, बल्कि राज्य के पुनर्निर्माण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आगे की ठोस योजना की नींव भी रखती है। मुख्यमंत्री द्वारा किए गए यह पूर्ववर्ती कार्य बिहार के लिए एक युगांतकारी कालखंड के रूप में स्थापित हो रहे हैं। विकसित बिहार की परिकल्पना के तहत उद्योग, निवेश, आधारभूत संरचना के सशक्त निर्माण और समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तीकरण की दिशा में जो निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, वे आने वाले समय में राज्य के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के संतुलन के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

चैम्बर द्वारा डीडीयू से किउल-झाझा के बीच तीसरी एवं चौथी

पटना। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से दीन दयाल उपाध्याय से पटना होते हुए कियूल/झाझा के बीच तीसरी एवं चौथी रेल लाइन निर्माण के लिए संतोषप्रद बजट उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। चैम्बर अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2047 तक माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत के फैसले के अनुरूप नई रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए भारतीय रेलवे को अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए क भारत के आर्थिक विकास में बिहार कि भूमिका के लिए से यह आवश्यक है कि यहाँ का रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत एवं सुदृढ़ बनाया जाये तथा राज्य में नई रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए विशेष अतिरिक्त बजट सहायता का प्रावधान किया जाये।उन्होंने बताया कि बिहार में दीन दयाल उपाध्याय (मुगलसराय) से किऊल/झाझा तक रेलवे लाइनें जो राज्य की राजधानी पटना से होकर गुजरती हैं, उनमें आजादी से पहले से ही दो रेलवे लाइनें थीं और वर्तमान में भी स्थिति वही है, यानी क्षमता में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है । जबकि यह रूट ओवरयूटिलाइज्ड है और इस रूट पर नई पैसेंजर ट्रेनें चलाने की कोई गुंजाइश नहीं है, जिसकी वजह से बिहार राज्य में रहने वाले भारतीय नागरिकों को यात्रा के लिए रेलवे बर्थ/सीट नहीं मिलती है और उन्हें ओवरक्राउडेड जनरल बोगियों में यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है । तीसरी और चौथी लाइन बिछाने के लिए सर्वे किया गया है लेकिन बजट नहीं दिया गया है । यही स्थिति उत्तर बिहार कि भी है यहाँ पर भी प्रति लाख आबादी पर रेलवे ट्रैक देश में सबसे कम में से एक है।अग्रवाल ने बताया कि उपर्युक्त परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए माननीया केन्द्रीय वित्त मंत्री से अनुरोध किया गया है कि पटना से गुजरने वाली रेलवे लाइनों और उत्तर बिहार में नई रेलवे लाइनों के निर्माण के लिए बिहार राज्य के लिए अतिरिक्त रेल लाइन के निर्माण हेतु बजट दिया जाए।

ई केवाईसी के नाम पर पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की छंटनी बंद हो: भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव राम नरेश पाण्डेय ने कहा कि सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के लाभार्थियों को ई केवाईसी और किसान निबंध के नाम पर तबाह कर रही है। ऑन लाइन रजिस्टर टू में खाता और खेसरा चढ़ा नहीं है। इस आधार पर पीएम किसान योजना के लाभार्थियों को योजना से वंचित किया जा रहा है। भाकपा राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा कि रजिस्टर टू और जमाबंदी का कम्प्यूटरीकृत नहीं किया गया है। अभी भी ऑन लाइन रजिस्टर टू और जमाबन्दी में कई विसंगतियां है। रजिस्टर टू में रैयत के नाम और पिता के नाम में भी त्रुटि है। रजिस्टर टू और जमाबंदी में खाता खेसरा नम्बर नहीं चढ़ा है। इसे दुरुस्त किया जाय। जमाबन्दी में खेसरा नम्बर नहीं चढ़ा है। रजिस्टर टू और जमाबंदी को दुरुस्त किया जाय। हदबंदी से फाजिल जमीन रखने वाले भू स्वामी, गैर मजरुआ आम, गैर मजरुआ खास और गैर मजरुआ मालिक जमीन पर जो सुयोग्य श्रेणी के भूमिहीन जो वर्षों से जमीन जोत रहे हैं या बसे हुए हैं, उन्हें मालिकाना हक दिया जाए। माल गुजारी की रसीद में जमाबंदी संख्या गलत लिखा जाता है या नहीं लिखा जाता है। पिता का नाम गलत लिखा जाता है। परिमार्जन के लिए आनलाइन आवेदन करने पर कोई जबाब नहीं दिया जाता है। आनलाइन एक दिखावा है। बिना बिचौलियों से कोई कार्य नहीं होता है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री अपनी पीठ थपथपाते रहें। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि विभिन्न प्रकार की जमीन पर गरीब 50 वर्षों से बसा हुआ हैं। वैसे भूमिहीन जो जिस किस्म की जमीन पर वर्षों से बसा हुआ है, उन्हें उस जमीन का मालिकाना हक दिया जाय और उसके नाम से खाता खोला जाय। भू-हदबंदी से फाजिल जमीन पर जिन बटाईदारों को बटाई का पर्चा मिला हुआ है, उसके नाम पर उक्त भूमि का खाता खोला जाय। इसके बाद किसानों का निबंधन किया जाए। जब तक ररिस्टर टू दुरुस्त नहीं किया जाता है, उस पर खाता खेसरा नहीं चढ़ाया जाता तब तक पीएम किसान योजना के ई केवाईसी पर तत्काल रोक लगाई जाए और किसानों को पूर्व की भांति राशि भुगतान किया जाए।

अब मछली पालन सिर्फ मेहनत नहीं, बल्कि सुरक्षित और लाभकारी व्यवसाय बनेगा

पटना। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना से जल कृषि बीमा योजना के तहत कतला, रोहु, मुगल, कॉमन कार्प जैसी देशी मछलियाँ पालने वाले मत्स्य कृषकों को आर्थिक सुरक्षा और किफायती बीमा का लाभ दिया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य मीठे जल मे मछली पालने वाले मत्स्य कृषकों को किफायती बीमा विकल्पों तक पहुंच प्रदान करके प्रोत्साहित करना और उनके व्यवसाय को प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के तहत एक्वाकल्चर किसानों, मत्स्य पालकों, केजकल्चर से जुड़े मत्स्य कृषक, स्वयंसहायता समूहों, सहकारी संस्थाओं, और मछली पालन से जुड़े सूक्ष्म एवं लघु उद्यमी, बीमा के लिए पूरी तरह पात्र होंगे। इस योजना के अंतर्गत फार्म/तालाब के अलावा को भी शामिल किया गया है।इस योजना के तहत सरकार द्वारा दो प्रकार के बीमा विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं।पहला — मूलभूत बीमा,जो बाढ़, चक्रवात, प्रदूषण, सूखा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान करता है।दूसरा — व्यापक बीमा,जिसमें मूलभूत बीमा के सभी जोखिमों के साथ-साथ मछलियों में होने वाले रोगों और अतिरिक्त जोखिमों से भी सुरक्षा दी जाती है।योजनांतर्गत जो किसान इस योजना के तहत प्रीमियम राशि का भुगतान कर बीमा पॉलिसी लेते हैं, उन्हें सरकार द्वारा प्रीमियम राशि का 40 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में वापस दिया जाता है।इसके अलावा, अपने नजदीकी जिला मत्स्य कार्यालय में जाकर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने जे0पी0 गंगापथ पर किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य का किया निरीक्षण

एजेंसी

» अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज जे०पी० गंगापथ पर कराए जा रहे लैंड स्केपिंग, पौधा रोपण एवं सौंदर्गीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विकसित किए जा रहे पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने विकसित किए जा रहे पार्क के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह पार्क गंगा नदी के किनारे स्थित है, इसलिए लोगों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे विकसित कराएं। यहां काफी अच्छा काम हो रहा है। जे०पी० गंगा पथ पर पार्क विकसित होने से हरियाली बढ़ेगी साथ ही यहां आनेवाले लोग अपने परिवार के साथ कुछ समय व्यतीत कर सकेंगे। इस काम को जल्द पूर्ण कराएं। इस दौरान उन्होंने कहा कि पौधारोपण होने से यह क्षेत्र हरा-भरा दिखेगा। जे०पी० गंगापथ एक अद्भुत परियोजना है जिसका सौंदर्यीकरण बेहतर ढंग से कराया जा रहा है। आनेवाले समय में यह क्षेत्र लोगों के आकर्षण का केन्द्र बनेगा। जे०पी० गंगा पथ पर लोगों के लिए सड़क सुरक्षा और निर्बाध आवागमन भी जरूरी है, इसका पूरा ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान राज्यसभा सांसद सह जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चन्द्रशेखर सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेश परासर, पटना के जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम० एवं वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

लोजपा (रा) संसदीय बोर्ड के प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट: डॉ प्रकाश

एजेंसी

पटना।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) संसदीय बोर्ड के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शिशिर कुमार राय के नेतृत्व में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों ने संसदीय बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। इस अवसर पर संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर सार्थक चर्चा हुई। भेंट के दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे ने पार्टी पदाधिकारियों को संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का मार्गदर्शन दिया तथा कार्यकर्ताओं से जनसरोकार के मुद्दों पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विकास की योजनाओं को पहुँचाना है। इस मौके पर प्रदेश महासचिव श्री आनंद कुमार सिंह, भोजपुर जिलाध्यक्ष श्री राजेश साहू सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस संबंध में जानकारी देते हुए लोजपा (रामविलास) संसदीय बोर्ड के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. ओम प्रकाश सोनू ने बताया कि बैठक में संसदीय बोर्ड के आगामी कार्यक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष श्री हुलास पाण्डे के मार्गदर्शन में इन कार्यक्रमों की शुरुआत मकर संक्रांति के बाद की जाएगी, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

लजीज बिरयानी की खोज में हाईवे पर भटक रहे तेजस्वी : प्रभाकर मिश्र

एजेंसी

» तेजस्वी जैसे लोग भरपेट बिरयानी खाकर दिखाने के लिए गमछा में सत्तु बांधकर चलते हैं

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जोरदार तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव लजीज बिरयानी की खोज में हाईवे पर भटक रहे हैं। तेजस्वी यादव की इन हरकतों पर एक प्रसिद्ध कहावत, ' जब रोम जल रहा था, नीरो बांसुरी बजा रहा था' बिल्कुल सटीक बैठती है। राजद में भगदड़ मचने वाली है। विधायक से लेकर कार्यकर्ता तक विकल्प की तलाश कर रहें हैं। लेकिन, इससे बेफिक्र तेजस्वी हाईवे पर लजीज बिरयानी का लुत्फ उठा रहे हैं। श्री मिश्र ने आज यहां कहा कि तेजस्वी यादव को न बिहार से कोई लगाव है, न ही यहां की लोक संस्कृति से और न ही यहां के खान-पान से। ये भरपेट बिरयानी खा कर दिखाने के लिए गमछा में सत्तु बांधकर चलने वाले लोग हैं। हाईवे पर बिरयानी पार्टी और हेलीकॉप्टर पर फिश पार्टी करने वालों के लिए बिहार का सत्तु और लिट्टी-चोखा सिर्फ दिखाने के लिए है। श्री मिश्र ने कहा कि तेजस्वी यादव के लिए बिहार सिर्फ तिजोरी भरने की जगह है। ये बिहार में अवैध कमाई कर विदेश में लुटाते हैं। अगर कोई आदमी तेजस्वी को गरीबों का नेता कहता है, तो वह बौद्धिक रूप से दिवालिया है। महंगा चश्मा और टी-शर्ट पहनकर विदेश में सैर-सपाटे करने वाला, चार्टर प्लेन पर बर्थडे मनानेवाला, हेलीकॉप्टर में फिश पार्टी करनेवाला और हाईवे पर महंगे होटल में लजीज बिरयानी का आनंद लेनेवाला गरीबों का नेता और गरीबों का हितैषी कभी नहीं हो सकता। इनके लिए गरीब सिर्फ वोट बैंक हैं, जो केवल चुनाव के समय में याद आते हैं।

बिहार में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को करे सुदृढ़ : वांभणिया

एजेंसी

पटना।केन्द्रीय पभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामले की राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य मंत्री लेशी सिंह, संयुक्त सचिव रवि शंकर,बिहार सरकार के प्रधान सचिव खाद्य अभय कुमार सिंह,सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बैठक में भारतीय खाद्य निगम के कार्यकारी निदेशक मनोज कुमार गोगोई, भारतीय खाद्य निगम, बिहार क्षेत्र के महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारी, केन्द्रीय भण्डारण निगम, बिहार तथा बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम के अधिकारी भी शामिल हुए। समीक्षा बैठक के दौरान निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया ने बिहार में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य के सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर एवं निर्बाध रूप से खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे योजनाओं के वास्तविक उद्देश्य की प्रभावी पूर्ति हो सके।बैठक में माननीया खाद्य मंत्री, लेशी सिंह ने भी खाद्य सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों द्वारा बिहार में लाभार्थियों तक खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की।इस अवसर पर भारत सरकार के संयुक्त सचिव रवि शंकर ने राज्य सरकार से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों पर चर्चा की तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक के दौरान बिहार सरकार के प्रधान सचिव अभय कुमार सिंह, ने राज्य में संचालित विभिन्न खाद्य एवं उपभोक्ता कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन, धान अधिप्राप्ति (खरीफ विपणन वर्ष 2025-26) तथा बिहार में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों से मंत्री को अवगत कराया।भारतीय खाद्य निगम के कार्यकारी निदेशक (पूर्वी अंचल) मनोज कुमार गोगोई ने भारतीय खाद्य निगम द्वारा राज्य सरकार को की जा रही खाद्यान्न आपूर्ति, वर्तमान भण्डारण एवं वितरण व्यवस्था, साइलो निर्माण की प्रगति सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। बैठक में केन्द्रीय भण्डारण निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक देबापति साहा चौधरी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

बिहार विधान सभा,वर्ष 2025-26 एवं अगले आदेश तक के लिए "प्रेस सलाहकार समिति" का गठन

एजेंसी

» इससे विधान सभा की कार्यवाही अधिक उत्तरदायी बनेगी और जनता तक सही सूचना पहुंचेगी
» प्रेस सलाहकार समिति का गठन लोकतंत्र और मीडिया के बीच मजबूत साझेदारी का प्रतीक

पटना।बिहार विधान सभा की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुलभ और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए वर्ष 2025-26 एवं अगले आदेश तक के लिए "प्रेस सलाहकार समिति" का गठन कर दिया गया है। यह गठन बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम -71 (ग) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, बिहार विधान सभा द्वारा किया गया है। इस संबंध में बिहार विधान सभा सचिवालय ने औपचारिक अधिसूचना निर्गत कर दी है। प्रेस सलाहकार समिति का मुख्य उद्देश्य विधान सभा और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इसके माध्यम से विधान सभा की कार्यवाहियों, निर्णयों और गतिविधियों की निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं समयबद्ध जानकारी जनसाधारण तक पहुंचाई जा सकेगी। समिति समाचार एजेंसियों, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा अन्य पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधियों के लिए एक संवाद मंच के रूप में कार्य करेगी। इस नवगठित समिति के अध्यक्ष स्वयं डॉ. प्रेम कुमार, अध्यक्ष, बिहार विधान सभा हैं। समिति में राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों, राष्ट्रीय एव क्षेत्रीय टीवी चैनलों, समाचार एजेंसियों, आकाशवाणी और दूरदर्शन के वरिष्ठ प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया गया है। दैनिक हिन्दुस्तान, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर, द टाइम्स ऑफ इंडिया, हिन्दुस्तान टाइम्स जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के साथ-साथ न्यूज 18, जी (बिहार-झारखण्ड), आज तक, एबीपी न्यूज, रिपब्लिक टीवी, इंडिया टीवी, टीवी 9 भारतवर्ष जैसे प्रमुख चैनलों के प्रतिनिधि इसमें शामिल हैं। इसके अलावा पीटीआई, एएनआई, यूएनआई, आईएएनएस जैसी समाचार एजेंसियों को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। समिति में बड़ी संख्या में विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी शामिल किया गया है। ये सदस्य विभिन्न मीडिया संस्थानों का प्रतिनिधित्व करते हुए समिति को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करेंगे। इससे न केवल मुख्यधारा बल्कि क्षेत्रीय और वैकल्पिक मीडिया को भी विधान सभा की गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलेगी। प्रेस सलाहकार समिति का गठन लोकतंत्र और मीडिया के बीच मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। मीडिया को "लोकतंत्र का चौथा स्तंभ" माना जाता है और ऐसी समितियां इस स्तंभ को संस्थागत स्वरूप प्रदान करती हैं। इससे विधान सभा की कार्यवाही अधिक उत्तरदायी बनेगी और जनता तक सही सूचना पहुंचेगी।

लालू परिवार पर क्रिमिनल पॉलिटिकल सिंडिकेट चलाने की न्यायिक टिप्पणी गंभीर, दें इस्तीफा : नीरज

एजेंसी

पटना।जदयू विधान पार्षद सह मुख्य प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने लालू परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा लालू परिवार के खिलाफ क्रिमिनल पॉलिटिकल सिंडिकेट चलाने की न्यायिक टिप्पणी एक गंभीर मामला है। लालू परिवार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कुछ तथ्यों को मीडिया के सामने रखा कि लालू प्रसाद ने अपने बड़े भाई स्वर्गीय मंगरु राय के परिजन को नौकरी दी, जिनके पास केवल एक बीघा जमीन थी उनसे भी लालू प्रसाद ने जमीन लिखवा ली। राबड़ी देवी के चाचा नाटा चैधरी के परिजन को नौकरी दी गई लेकिन उनसे भी जमीन लिखवा ली गई। तेजस्वी यादव का उपनाम तरुण यादव भी है और तरुण यादव के नाम से भी संपत्ति है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि यह स्वतः प्रमाणित है कि इनलोगों ने जालसाजी की है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट द्वारा लालू परिवार पर क्रिमिनल पॉलिटिकल सिंडिकेट चलाने की टिप्पणी करना एक गंभीर न्यायिक टिप्पणी है। इसलिए इन तीनों लोगों को इस्तीफा देना चाहिए। न्यायपालिका अब इस मामले की त्वरित सुनवाई कर निष्पादन की कार्रवाई करे और यदि कानून के अनुसार संपत्ति जब्ती का आदेश होता है तो उसका उपयोग समाजहित में होकृचाहे वह अनाथालय हो, विधवा आश्रम हो या अत्यंत पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए छात्रावास। उन्होंने कहा कि राजनीति कोई निजी धंधा नहीं है और न ही सत्ता का इस्तेमाल बिजनेस या क्रिमिनल पॉलिटिकल सिंडिकेट चलाने के लिए किया जा सकता है।

संरक्षण भी, समाधान भी- नीतीश कुमार के नेतृत्व में जल संरक्षण का नया मॉडल बना बिहार : जदयू

एजेंसी

पटना।जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम, प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार एवं मीडिया पैनलिस्ट डा मधुरेंदु पांडेय ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐतिहासिक और दूरदर्शी कार्य किए हैं, जो आज राज्य की आने वाली पीढ़ियों के लिए संजीवनी साबित हो रहे हैं। संरक्षण भी, समाधान भी की सोच के साथ सरकार ने न केवल परंपरागत जलस्रोतों को पुनर्जीवित किया है, बल्कि नए जलस्रोतों के निर्माण के माध्यम से जल संकट की चुनौती का स्थायी समाधान भी प्रस्तुत किया है। राज्य भर में 1.40 लाख से अधिक पुराने जलस्रोतों का जीर्णोद्धार कर उन्हें फिर से उपयोगी बनाया गया है, जिससे भू-जल स्तर में सुधार हुआ है और किसानों, ग्रामीणों तथा शहरी आबादी को जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। इसके साथ ही 73 हजार से अधिक नए जलस्रोतों का निर्माण कर सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नीतियाँ बना रही है। मुख्यमंत्रीनीतीश कुमार सरकार का मानना है कि प्राकृतिक जल संसाधन केवल विकास का साधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। इसी सोच के तहत तालाबों, आहर-पइन, चेकडैम और अन्य पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण और संवर्धन को प्राथमिकता दी गई है। इन प्रयासों का सकारात्मक असर न केवल कृषि और पेयजल व्यवस्था पर पड़ा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में भी मदद मिली है। बिहार में जल संरक्षण कोई नारा नहीं, बल्कि एक सतत अभियान है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने नीति, नीयत और निरंतरता के साथ यह सिद्ध किया है कि अगर इच्छाशक्ति मजबूत हो तो प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हुए विकास के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। बिहार आज जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के लिए एक प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

71 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

एजेंसी

» कुंदन कृष्णन डीजी एसटीएफ पद पर तैनात
» सागर कुमार बने पटना के ट्रैफिक एसपी
» अनंत कुमार राय को रेल पुलिस अधीक्षक, पटना की जिम्मेदारी

पटना।राज्य बिहार सरकार ने पुलिस महकमे में व्यापक बदलाव करते हुए 71 आईपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। इस फेरबदल में कई जिलों के कप्तान बदले गए हैं और वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। महानिदेशक स्तर की अधिकारी प्रीता वर्मा को पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) से स्थानांतरित कर महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम बनाया गया है। कुन्दन कृष्णन को पुलिस महानिदेशक (अभियान), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के पद पर तैनात किया गया है, साथ ही इनके पास पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा। एडीजी पुलिस अकादमी आर मलार विजी को एडीजी एसटीएफ का प्रभार दिया गया है। सुनील कुमार को विशेष शाखा के एडीजी पद से हटाकर अब इन्हें अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। एडीजी कमल किशोर सिंह को अपर पुलिस महानिदेशक रेल बनाया गया है। कई जिलों को मिले नए कप्तान व आईजी डीआईजी बदले गये हैं। मुजफ्फरपुरः कान्तेश कुमार मिश्रा को नया वरीय पुलिस अधीक्षक बनाया गया है । सुशील कुमार को गया का नया वरीय पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। भागलपुर में प्रमोद कुमार यादव को यहाँ का नया एसएसपी बनाया गया है। विनीत कुमार को सारण का नया ररढ बनाया गया है । सिवान में पूरन कुमार झा, अरवल में नवजोत सिमी, और वैशाली में विक्रम सिहाग को पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात किया गया है ? रंजीत कुमार मिश्रा को पुलिस महानिरीक्षक को साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई नियुक्त किया गया है। मनोज कुमार को कोशी क्षेत्र के डीआईजीसे प्रमोट होकर अब आईजी (मुख्यालय) बनाए गए हैं। आकाश कुमार को साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई में डीआईजी बनाए गए हैं। अनंत कुमार राय को रेल पुलिस अधीक्षक, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार ने साइबर सुरक्षा और मद्यनिषेध विभाग को मजबूत करने के लिए अनुभवी अधिकारियों को तैनात किया है। डॉ. अमित कुमार जैन को एडीजी मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के पद पर स्थायी तैनाती दी गई है। वहीं संजय कुमार कोआईजी बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बनाया गया है। सूची में कई ऐसे अधिकारी शामिल हैं जो हाल ही में प्रोन्नत हुए हैं । उदाहरण के तौर पर, पुष्कर आनंद को समादेष्ट बीएमपी 9 अतिरिक्त प्रभार समादेष्टा एसटीएफ 199 बेगूसराय बनाया गया है। सीआईडी में तैनात डीआईजी तौहिद परवेज को डीआजी, डीआईजी मॉडरेशन, पीके मंडल को डीआईजी एससीआरबी पटना,, विवेकानंद को पूर्णिया क्षेत्र का आईजी और आशीष भारती को डीआईजी मद्यनिषेध एवं एन्एनटीएफ (पटना) के पद पर पदस्थापित किया गया है।डीआईजी मिथिला प्रक्षेत्र स्वप्ना गौतम मेश्राम को डीआरजी एसएसआरबी पटना, एसपी एएनटीएफ आदित्य कुमार को एसपी सीआईडी बनाया गया है। सागर कुमार को पटना के नए यातायात पुलिस अधीक्षक होंगे। अपराजित लोहान को पटना ग्रामीण के एसपी से अब जहानाबाद के एसपी बनाए गए हैं। दिव्यांजली जायसवाल पटना में एसडीपीओ 2 (विधि-व्यवस्था) की जिम्मेदारी सौंपी गई है ।

संक्षिप्त समाचार

गुरुकुल आश्रम में सत्संग एवं श्रद्धांजलि सभा का गुरु भाइयों ने किया आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी : भगवान के पवित्र नाम का जप और अनन्य भक्ति ही गोलोकधाम में प्रवेश का मार्ग है अपने जीवन कर्मों पर आधारित भक्ति पूर्ण जीवन जीकर चंपारण में राम नाम के बिगुल घर-घर सत्संग के माध्यम से लोगों को ईश्वर के प्रति जोड़ने का कार्य करते हुए भगवान के शरण में चले गए। देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम के पूर्व सचिव समर्पित देवराहा बाबा सरकार के दीक्षित भक्त श्री राम पार्षद केदारनाथ गुप्ता के पुण्यतिथि पर शुक्रवार को गुरुकुल आश्रम में सत्संग एवं श्रद्धांजलि सभा का गुरु भाइयों ने आयोजन किया। कथा व्यास सुमन पांडे ने कहा कि गो लोकधाम वह परम स्थान है जहां केवल भगवान की भक्ति और प्रेम के माध्यम से पहुंचा जा सकता है द्विगंत गुरु भाई को याद कर उनके जीवन का हम लोग सम्मान कर रहे हैं और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद कर उस मार्ग पर हम सबों को चलना चाहिए। वहीं बुधवार को आश्रम के संरक्षक राम शुक्ल बैठा का पुण्यतिथि मनाया गया और इस अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्प समर्पित कर भगवत भजन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सत्संग सभा में द्विगंत आत्मा के सानिध्य में बिताए गए समय पर गुरु भाइयों ने अपने-अपने विचार रखें विचार रखने में आराधना व्यास राकेश कुमार, कन्हैया प्रसाद अधिवक्ता, अशोक कुमार, अजय कुमार, सहसचिव राम भजन, आचार्य जयप्रकाश पांडे, पुजारी सुधीर पांडे, हरि किशोर सिंह, अशोक कुमार सिंह, राजीव कुमार, दिलीप केसरी, संगीता देवी, विनीता कुमारी, पप्पू कुमार, रविंद्र कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, अरुण कुमार आदि लोग उपस्थित रहें और अपने-अपने विचारों से लोगों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर श्री रामचरितमानस का पाठ आरती पूजन और आश्रम द्वारा महा भंडारा का आयोजन किया गया।

लायंस क्लब वीरगंज आदर्शनगर ने नारायणी अस्पताल में 160 मरीजों को बांटे गर्म कंबल

बीएनएम @ रक्सौल। नेपाल के वीरगंज स्थित नारायणी अस्पताल में उपचाररत मरीजों के बीच लायंस क्लब वीरगंज आदर्शनगर की ओर से गर्म कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ठंड के मौसम को देखते हुए मरीजों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस मानवीय कार्यक्रम के तहत कुल 160 मरीजों को गर्म कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम लायंस क्लब वीरगंज आदर्शनगर के अध्यक्ष सुरेश कुमार रुंगटा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारी प्रकाश बाहेती, अशोक गुप्ता, प्रदीप डालमिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के तहत इस तरह के सेवा कार्य लगातार किए जाते हैं, ताकि जरूरतमंदों को हर संभव सहायता मिल सके। कंबल पाकर मरीजों और उनके परिजनों ने क्लब के इस प्रयास की सराहना की। लायंस क्लब वीरगंज आदर्शनगर ने भविष्य में भी सामाजिक एवं मानव कल्याणकारी कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

बीएनएम इम्पैक्टः भ्रष्ट दरोगा पंकज कुमार सस्पेंड, मोतिहारी एसपी की बड़ी कार्रवाई से मचा हड़कंप

सागर सूरज

मोतिहारी, बीएनएम की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट पर मोतिहारी जिले में बड़ा प्रशासनिक एक्शन हुआ है।

बीएनएम पर प्रसारित भ्रष्टाचार से जुड़ी खबर के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने पताही थाना के दरोगा पंकज कुमार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

एसपी की इस सख्ती के बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, शुक्रवार यानी आज ही बीएनएम ने एक विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की थी जिसमें पताही थाने के अनुसंधानकर्ता दरोगा पंकज कुमार पर एक विवादित जमीन मामले में लाखों रुपये की उगाही के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

खबर के साथ वायरल ऑडियो क्लिप्स भी सामने आए थे, जिनमें दरोगा खुद रिश्वत की रकम तय करता और बार-बार रुपये मांगते सुना जा रहा था।

मिले ऑडियो में दरोगा कभी केस में राहत दिलाने की बात करता, तो कभी अभियुक्तों को फँसाने की धमकी देकर पैसे उगाही की कोशिश करता है।

पाँच ऐसे ऑडियो सामने आए, जिसने न सिर्फ पुलिस महकमे की साख पर सवाल खड़े कर दिए, बल्कि जनता में खूब आक्रोश पैदा किया।

मामला सामने आने के बाद मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बीएनएम से कहा था, "वायरल ऑडियो की तकनीकी जांच कराई जा रही है। दोषी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा।

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

वर्दी पर दागः पताही थाने के दरोगा पर उगाही का आरोप, मोतिहारी एसपी बोले— 'जाँच जारी, दोषी बचेगा नहीं'

" अब एसपी ने अपने वादे पर अमल करते हुए दरोगा को निलंबित करने की कार्रवाई की है और मामले की जांच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चन्दन कुमार को सौंपी गई है।

एसपी ने बयान जारी कर कहा—"प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए हैं।

जांच रिपोर्ट आने के बाद विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।" एसपी की इस सख्त कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा संदेश माना जा रहा है।

एसपी प्रभात के कदम से प्रशासनिक हलकों में साफ संकेत गया है कि 'वर्दी में भ्रष्टाचार' अब बर्दाश्त नहीं होगा।

जिले के ग्रामीण इलाकों में जहां आम लोग पहले ही न्याय के लिए थाने का रास्ता पकड़ने से डरते हैं, वहीं इस घटना ने पुलिस की साख को झटका दिया था। लेकिन सस्पेंशन की खबर के बाद लोगों में यह उम्मीद जागी है कि ईमानदार नेतृत्व अब सक्रिय है।

बीएनएम ने जब इस मामले को उजागर किया, तब इसे आम जनता के हित में लगातार आगे बढ़ाया।

और अब, बीएनएम की खोजी रिपोर्टिंग का नतीजा सामने है, भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई।

छतौनी चौक से नरेगा पार्क तक बन रहा आधुनिक फुटपाथ, यातायात व्यवस्था होगी सुदृढ़

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर निगम मोतिहारी अंतर्गत छतौनी चौक से नरेगा पार्क तक मुख्य सड़क के दोनों ओर पेवर ब्लॉक इंटरलॉकिंग एवं फुटपाथ निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना पर कुल 1 करोड़ 65 लाख 29 हजार 600 रुपये की लागत आ रही है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद पैदल यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी, वहीं सड़क की चौड़ाई बढ़ने से यातायात जाम की समस्या में भी उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। नगर निगम द्वारा संचालित इस योजना से क्षेत्र का सौंदर्यीकरण होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। खासकर छतौनी बस स्टैंड, नरेगा पार्क एवं मिशन चौक की ओर प्रतिदिन आने-जाने वाले शहरवासियों को इसका सीधा लाभ

मिलेगा। फुटपाथ निर्माण से पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरने की मजबूरी नहीं रहेगी, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि शहर के सभी प्रमुख मार्गों पर गुणवत्तापूर्ण फुटपाथ निर्माण एवं सड़क सुधार को लेकर निगम निरंतर प्रयासरत है। आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी इसी तर्ज पर विकास कार्य कराए जाएंगे, ताकि शहरवासियों को बेहतर, सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में रक्सौल के एस.ए.वी. स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

बीएनएम @रक्सौल

झारखंड की राजधानी रांची स्थित खेलगांव में आयोजित इंटरनेशनल फुल कॉन्टैक्ट कराटे चैंपियनशिप में रक्सौल के एस.ए.वी. स्कूल के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, चीन, जापान, लीबिया एवं फिलीपींस सहित कई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। गौरतलब है कि ऑल इंडिया क्योकुशिन काई कराटे फेडरेशन, जिसे वर्ल्ड क्योकुशिन काई फेडरेशन (जापान) से मान्यता प्राप्त है, के तत्वावधान में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद एस.ए.वी. स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में शालिका साम्या (पुत्री सैफुल्लाह खान) ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं ब्लू कैटेगरी में अनिकेत राज (पुत्र श्रवण कुमार) एवं ऑरेंज कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नवम एवं दशम आयु वर्ग में आदर्श राज (पुत्र श्रवण कुमार) ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि तेरह एवं चौदह आयु वर्ग में ऋषि राज (पुत्र श्यामा प्रसाद) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। बच्चों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक अशोक कुमार सिंह एवं अरविंद सिंह तथा प्राचार्य साइमन रेक्स ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ खेलों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी विद्यालय के छात्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर लायंस क्लब के अध्यक्ष बिमल कुमार सर्राफ ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं विद्यालय प्रबंधन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। बधाई देने वालों में रजनीश प्रियदर्शी, शंभु प्रसाद चौरसिया, एम. निजामुद्दीन, पवन किशोर कुशवाहा, संजय गुप्ता, गणेश धानोठिया, बसंत जालान, अजय हिसारिया, अमित कुमार, विक्टर डेक्का सहित विद्यालय के शिक्षक एवं गणमान्य लोग शामिल रहे।

अरेराज में प्रशासन की दबिश से हड़कंपः जांच के डर से 'मौत की दुकानों' पर जड़े ताले

बीएनएम @अरेराज@ उज्ज्वल मिश्रा

अरेराज का मुख्य अस्पताल रोड, जो कभी अवैध स्वास्थ्य केंद्रों की भीड़ और दलालों की गहमागहमी से गुलजार रहता था, आज पूरी तरह सन्नाटे की आगोश में है। हाल ही में एक फर्जी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई महिला की दर्दनाक मौत ने प्रशासन को नींद से जगा दिया है, जिसका सीधा असर अब सड़कों पर दिखाई दे रहा है। जिला प्रशासन द्वारा की गई सीलिंग की कड़ी कार्रवाई और निरंतर जांच जारी रखने के अल्टीमेटम ने अवैध संचालकों के पसीने छुड़ा दिए हैं। स्थिति यह है कि हॉस्पिटल चौक के समीप संचालित होने वाले अधिकांश निजी अस्पताल, क्लिनिक और पैथोलॉजी सेंटर रातों-रात शटर गिराकर भूमिगत हो गए हैं। हैरानी और चिंता का विषय यह है कि ये फर्जी संस्थान कानून की आँखों में धूल झोंकने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। पिछली जांच के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था जहाँ एक संदिग्ध अस्पताल के संचालक ने बाहर से ताला लगवा दिया था, जबकि अंदर मरीजों का इलाज चोरी-छिपे और बेहद जोखिम भरे हालात में जारी था। यह घटना दर्शाती है कि इन संचालकों के मन में मानवीय संवेदनाओं से अधिक केवल मुनाफे का लालच है। जैसे ही जांच टीम की

आहट सुनाई देती है, ये 'मौत की दुकानें' चलाने वाले संचालक मरीजों को भगवान भरोसे छोड़कर फरार हो जाते हैं। वर्तमान में अरेराज की जनता के बीच इस भगदड़ को लेकर तीखी चर्चाएं हैं। स्थानीय लोगों का आक्रोश प्रशासन की ढुलमुल कार्यप्रणाली पर भी फूट रहा है। जनता का सीधा सवाल है कि आखिर प्रशासन इन चिन्हित फर्जी संस्थानों पर एक बार में निर्णायक प्रहार क्यों नहीं करता? क्या हर बार कार्रवाई के लिए किसी बेगुनाह की जान जाने का इंतजार किया जाएगा? हालांकि वर्तमान में जांच टीम की सक्रियता से अवैध धंधेबाजों में खौफ जरूर है, लेकिन असली चुनौती इन केंद्रों को स्थायी रूप से बंद करने और इनके संचालकों को सलाखों के पीछे भेजने की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन का यह चाबुक भविष्य में कितना असरदार साबित होता है।

घोड़ासहन पुलिस पर तस्करी क़ा लहसुन जप्त कर छोड़ने का आरोप

सागर सूरज

मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी का काला कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा, उल्टा अब स्थानीय पुलिस पर ही पकड़े गए सामान को छोड़ देने के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन थाना क्षेत्र के श्रीपुर सुधा डेयरी के पास ग्रामीणों ने चाइनीज लहसुन लदी पिकअप वाहन पकड़कर थाने को सौंपा था, लेकिन बाद में वाहन गायब हो गया।

ग्रामीणों का दावा है कि थाना प्रबंधन ने रिश्वत लेकर इसे मुक्त कर दिया।

घटना तब घटी जब ग्रामीणों ने संदिग्ध पिकअप को रोका और अवैध तस्करी का शक होने पर घोड़ासहन थाने को सूचना दी।

वीडियो और फोटो साक्ष्य मौजूद हैं, जो तस्करी की पुष्टि करते हैं,

जिसे घोड़ासहन पुलिस अधिकारियों ने इन्हें रोक रखा है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, स्पॉट ड्यूटी पर तैनात दरोगा आशीष कुमार, जो हाल ही चिरैया से घोड़ासहन ट्रांसफर हुए थे, मौके पर पहुंचे थे।

ग्रामीणों का आरोप है कि पैसे के लेन-देन के बाद वाहन को जाने दिया गया।

यह मामला इसलिए संवेदनशील है क्योंकि कुछ माह पूर्व इसी सीमा से लहसुन की आड़ में चरस तस्करी पकड़ी जा चुकी है,

जिसे एसएसबी ने बरामद किया था।

मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने अपराध नियंत्रण के लिए सख्त रुख अपनाया है।

हाल ही पताही थाना के दरोगा पंकज कुमार को उगाही के ऑडियो वायरल होने पर निलंबित किया गया,

जो उनके सुधार अभियान का प्रमाण है।

एसपी ने सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ाई है और भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है।

लेकिन ऐसे आरोप पुलिस साख पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

खबर लिखते समय थाना से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

वरिष्ठ से कनिष्ठ अधिकारियों तक सवाल पहुंचे, लेकिन ना घटना स्वीकारी गई, ना खारिज।

भारत-नेपाल खुली सीमा लंबे समय से तस्करी का केंद्र रही है।

यहां संगठित गिरोह अवैध कारोबार चला रहे हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर रहे हैं।

एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में सुधार जारी हैं, लेकिन निचले स्तर पर जवाबदेही तय होनी होगी।

निष्पक्ष जांच जरूरी है, जिसमें वीडियो-फोटो की जांच हो।

दोषी सिद्ध होने पर सख्त कार्रवाई से ही जनता का भरोषा जीता जा सकता है।

विकसित गांव की संकल्पना को पूरा करेगा "जी राम जी अधिनियम–2025"

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, पूर्वी चंपारण द्वारा शुक्रवार को शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में "विकसित भारत जी राम जी अधिनियम–2025" से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए अधिनियम की विस्तृत जानकारी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों तक पहुंचाना रहा। कार्यशाला में सांसद राधा मोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, कृष्णनंदन पासवान, श्याम बाबू प्रसाद यादव, उप महापौर डॉ. लाल बाबू प्रसाद गुप्ता, राज्य अध्यक्ष मछुआरा आयोग बिहार ललन चौधरी सहित उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, निदेशक डीआरडीए डॉ. कुंदन कुमार तथा मोतिहारी, कोटवा, पिपराकोठी,

तुरकौलिया और चकिया प्रखंडों के पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे। सांसद राधा मोहन सिंह ने कहा कि "विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट–2025" विकसित गांव की परिकल्पना को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि यह अधिनियम मनरेगा का उन्नत स्वरूप है, जिसके तहत एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। मजदूरी भुगतान में देरी होने पर ब्याज सहित भुगतान का कड़ा प्रावधान किया गया है। साथ ही जल संरक्षण, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, जीविका, आपदा प्रबंधन एवं प्रतिकूल मौसम में राहत जैसे कार्यों को भी अधिनियम में शामिल किया गया है। उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार ने इसे ग्रामीण परिवारों के लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि अब रोजगार की गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। मजदूरी में विलंब होने पर प्रत्येक दिन का मुआवजा दिया जाएगा और पूरी प्रक्रिया डिजिटल व पारदर्शी होगी। उन्होंने बताया कि कार्यों का आयोजन ग्राम पंचायतों के माध्यम से होगा तथा सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा द्वारा किया जाएगा। प्रशासनिक मद की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे कर्मियों की सेवाएं सुदृढ़ होंगी। कार्यशाला में निदेशक डीआरडीए एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) द्वारा उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अधिनियम से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

भूमि विवाद में लापरवाही पर शिकारगंज थानाध्यक्ष निलंबित

बीएनएम @ मोतिहारी

भूमि विवाद के एक मामले में कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में शिकारगंज थानाध्यक्ष पु०अ०नि० संतोष कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई परीक्ष्यमान पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) द्वारा की गई जांच के आधार पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी के आदेश से की गई है। मामले में बताया गया है कि भूमि विवाद को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना द्वारा बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करते हुए निर्माण कार्य पर रोक लगाने का आदेश निर्गत किया गया था। इसके बावजूद विवादित जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा था। समय रहते आवश्यक कार्रवाई नहीं होने के कारण दोनों पक्षों के बीच मारपीट की स्थिति उत्पन्न हो गई और क्षेत्र में विधि-व्यवस्था असामान्य हो गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यदि थानाध्यक्ष द्वारा बीएनएसएस की धारा 163 के तहत समय पर प्रभावी कार्रवाई की जाती, तो मारपीट एवं विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं होती। इसे थानाध्यक्ष की घोर लापरवाही , कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीनता माना गया है, जो एक जिम्मेदार पुलिस पदाधिकारी के आचरण के विपरीत है। ऐसे कृत्य से पुलिस की छवि धूमिल होती है और आम जनता में पुलिस के प्रति अविश्वास की भावना पैदा होती है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, पूर्वी चंपारण द्वारा शिकारगंज थानाध्यक्ष पु०अ०नि० संतोष कुमार को तत्काल प्रभाव से सामान्य जीवन भत्ता पर निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के तहत उनसे स्पष्टीकरण की मांग की गई है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त समाचार

कड़ाके की ठंड में एसएसबी 47वीं बटालियन की मानवीय पहल

• वाइब्रेंट विलेज भरतमई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, 150 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित

बीएनएम @ रक्सौल। भीषण शीतलहर और अत्यधिक ठंड के बीच सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 47वीं बटालियन द्वारा वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत सीमावर्ती भरतमई गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर एक सराहनीय मानवीय पहल की गई। यह मेडिकल सिविक एक्शन कार्यक्रम भरतमई मंदिर के समीप 'सी' कंपनी, धूपवाटोला द्वारा आयोजित किया गया, जो बटालियन के कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. निशि कान्त के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. निशि कान्त, 47वीं बटालियन एसएसबी, रक्सौल ने की। इस अवसर पर सहायक कमांडेंट सचिन 10 जवानों के साथ उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं अनुशासन सुनिश्चित किया। शिविर के दौरान एसएसबी जवानों ने बुजुर्गों, महिलाओं एवं बच्चों की विशेष सुविधा का ध्यान रखा, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कुल 150 से अधिक ग्रामीणों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार का लाभ उठाया। शिविर में खांसी, जुकाम, बुखार, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, घुटनों एवं कमर दर्द, सांस फूलना, शरीर में जकड़न, खुजली एवं चर्म रोग, कान दर्द व बहना, आंखों से पानी आना, कम दिखाई देना सहित मौसमी एवं सामान्य रोगों से पीड़ित मरीजों की गहन जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों को ठंड से बचाव के उपाय, स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित आहार लेने, नियमित दवाओं के सेवन एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। शिविर का उद्देश्य उपचार के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना भी रहा। ग्रामीणों ने एसएसबी द्वारा किए गए इस जनकल्याणकारी प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होती हैं, बल्कि बल और आम जनता के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी मेडिकल सिविक एक्शन कार्यक्रमों के माध्यम से वाइब्रेंट विलेज एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी सेवाएं लगातार पहुंचाई जाती रहेंगी, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता सुनिश्चित की जा सके।

गन्ने के खेत से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @ बगहा : बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बगहा नगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नगर परिषद क्षेत्र के पुअर हाउस के पास एक गन्ने के खेत में छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की।पुलिस टीम ने मौके से 8 पीएम ब्रांड की 180 एमएल वाली कुल 123 बोतलें बरामद कीं, जिनकी कुल मात्रा 22.14 लीटर है। तस्करों ने शराब को खेत में छिपाकर रखा था और इसे अन्यत्र भेजने की फिराक में थे। हालांकि, पुलिस की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार होने में सफल रहे।नगर थाना अध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि इस मामले में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार तस्करों की पहचान के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराबबंदी का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और जनता से अपील की कि वे ऐसे अवैध कार्यों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बोधगया में अवैध निर्माण पर रोक लगाने की मांग

बीएनएम @ गया जी: ज़िला पदाधिकारी के जनता दरबार मे आये आवेदनों की समीक्षा के क्रम में अधिवक्ता अमरेंद्र कुमार सिंह, द्वारा ज़िला पदाधिकारी शशांक शुभंकर के समक्ष आवेदन पत्र समर्पित किया गया है। उक्त आवेदन पत्र में पिटीशनर, अभिनीत कुमार, पिता-स्व. डॉ. अरविंद कुमार, निवासी नवल आश्रम, पटना, बिहार की ओर से यह पिटीशन पेश किया गया है। जिसमें मस्तपुरा, बोधगया, में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन, ज़रूरी बातें छिपाने और नगर निगम की मंजूरी प्रक्रिया के गलत इस्तेमाल से जुड़े एक गंभीर मामले में दखल देने का आरोप लगाया गया है।ज़िला पदाधिकारी ने भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर को निदेश दिया है कि आवेदन पत्र में वर्णित तथ्यों के आलोक में जांचकर, जॉच प्रतिवेदन सुस्पष्ट मंतव्य सहित 10 दिनों के अन्दर जिला अनुश्रवण कोषांग को अवगत कराना सुनिश्चित करें।आवेदक रोमी रहमान, पिता-सैयद अनिसुर रहमान द्वारा ज़िला पदाधिकारी गया के समक्ष कार्यपालक अभियंता बिहार राज्य आवास बोर्ड गया द्वारा मनमानी करने के संबंध में आवेदन पत्र समर्पित किया गया है। उक्त आवेदन पत्र में चाहरदीवारी निर्माण पर रोक लगाने एवं पूरी जमीन भू-स्वामी को सौंपने का अनुरोध किया गया है। जिला पदाधिकारी ने अपर समाहर्ता राजस्व को निदेश दिया है कि आवेदन पत्र में वर्णित तथ्यों के आलोक में जांचकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए कृत कार्रवाई से जिला अनुश्रवण कोषांग को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

अभिषेक पलासिया बने निगमायुक्त

बीएनएम @ गया जी: अभिषेक पलासिया (भा.प्र.से.) को गया नगर निगम का नया निगमायुक्त बनाया गया है।इसके पहले वे खगड़िया में उप विकास आयुक्त पद पर थे। इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी गई है।

सर्वजन दवा सेवन अभियान की सफलता के लिए कोर ग्रुप के सदस्य करेंगे सहयोग

» भीबीडी कार्यालय में सीफार द्वारा जिला कोर ग्रुप की बैठक आयोजित

» बैठक में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों ने घोषणा पत्र का किया विमोचन

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

फाइलेरिया लाइलाज बीमारी है। क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने के बाद इसके संक्रमण का प्रभाव 5-10 वर्षों के पश्चात हाथीपांव या हाइड्रोसील के सूजन के रूप में देखने को मिलता है। इससे बचाव के लिए आगामी वर्ष 2026 में 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलाई जाएगी। इसे स्वस्थ व्यक्ति को भी खाना है। उक्त बातें जिला स्वास्थ्य समिति और सीफार के संयुक्त प्रयास से भीबीडी कार्यालय में आयोजित जिला कोर ग्रुप की बैठक में शुक्रवार को जिला भीबीडीसी पदाधिकारी डॉ सुधीर कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयास बहुत जरूरी है। सीएचओ के नेतृत्व में रोगी हितधारक मंच के सदस्यों से उन्होंने लक्षित आबादी को एमडीए के दौरान दवा खिलाने में जागरूकता फैलाने को कही। जरूरी नहीं है कि फाइलेरिया उन्मूलन में ही बल्कि दूसरे बीमारियों के उन्मूलन में भी कोर ग्रुप सदस्य सहयोग करेंगे। बैठक में बोचहा, सकरा, मुरौल, मड़वन और मीनापुर से आए कुल 21 कोर ग्रुप के सदस्यों ने भाग लिया। मौके पर सीफार के घोषणा पत्र का विमोचन भी किया गया। सीएफआर के जिला प्रतिनिधिके नीति कुमारी के द्वारा कोर ग्रुप के सदस्यों को उनकी जिम्मेदारी के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ सुधीर कुमार ने कहा कि एमडीए सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक भागीदारी है। एमडीए अभियान के दौरान शत-प्रतिशत दवा सेवन सुनिश्चित कराना हमारी प्रतिबद्धताओं में शामिल है। सीएचओ के नेतृत्व में रोगी हित धारक से जुड़े फाइलेरिया मरीज वार्ड सदस्य, मुखिया और अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि जब स्वयं आगे आकर दवा खाने का संदेश देते हैं तो समुदाय का विश्वास भी दृढ़ होता है। इसलिए मैं सभी पीएसपी सदस्यों व खासकर मुखिया, वार्ड सदस्य और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों से अपील करता हूं कि सर्वजन दवा सेवन अभियान को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभाएं। डॉ माधुरी देवराजू, जोनल कॉर्डिनेटर, डब्लूएचओ ने बताया की फाइलेरिया एक खतरनाक बीमारी है और हमसे बेहतर आप लोग को पता होगा क्योंकि कोर ग्रुप में कुछ फाइलेरिया मरीज भी हैं। वैसे सदस्य समुदाय के लोगों को फाइलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी के प्रति ज्यादा प्रभावी रूप से जागरूक कर सकते है। उन्होंने फाइलेरिया और एमडीए के बारे में भी विस्तार पूर्वक चर्चा की। सभी की जिम्मेदारी और क्षेत्र में काम से संबंधित परेशानियां एवं निदान के बारे में चर्चा किया।

जनप्रतिधियों ने खुद ली सहभागिता की शपथः रानी क्यारा पंचायत, मीनापुर की मुखिया नेहा कुमारी और वार्ड सदस्य राघवेंद्र कुमार ने कहा कि सीएचओ-पीएसपी की पहल महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जानकारी का प्रसार करके और स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा क्रियान्वित किये जा रहे विभिन्न समाधान के बारे में जागरूकता बढ़ाकर एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा दे रही है। दोनों ने कहा कि अपने पंचायत क्षेत्र में फाइलेरिया से जागरूकता संबंधित दीवार लेखन कराकर दूसरे पंचायतों को भी प्रेरित करेंगे।

फाइलेरिया मरीजों के लिए रोगी हितधारक मंच बना अमृतः बैठक के दौरान फाइलेरिया रोगी सीताराम महतो ने अपने रोग का वृतांत बताते हुए कहा कि मैं पिछले कई वर्षों से फाइलेरिया से पीड़ित था। मेरी जिंदगी काफी चुनौतीपूर्ण बीत रहा था। इसी बीच मुझे जो जानकारी रोगी हितधारक मंच से जुड़ने के बाद मिली वह पहले कभी नहीं मिली थी। मुझे इस बीमारी में आराम इस मंच से मिली जानकारी के बाद ही शुरू हुआ। वहीं जीविका सी एम संगीता कुमारी ने बताया की हमारे पास 25 एस एच जी ग्रुप है। हम सभी में जागरूकता कार्यक्रम करेंगे और सभी मेंबर को जिम्मेदारी देंगे की दवा खिलाने में आशा की मदद करे और फलेरिया मरीज को चिन्हित करेंगे। मौके पर डीएमओ डॉ सुधीर कुमार, डब्लू एच ओ जोनल कॉर्डिनेटर डॉ माधुरी देवराजू , पिरामल से इफ्तार अहमद खान, राकेश कुमार, अभिषेक कुमार और कोर ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

तुरकौलिया में बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना, तीन लाख की संपत्ति चोरी

बीएनएम @तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के शंकर सरैया फतेह टोला में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए नकदी समेत करीब तीन लाख रुपये मूल्य की संपत्ति की चोरी कर ली। पीड़ित गृहस्वामी की पहचान ध्रुवशंकर प्रसाद के रूप में हुई है, जो वर्तमान में नेपाल के वीरगंज में रहते हैं। घर पहुंचने के बाद चोरी की घटना का खुलासा हुआ। पीड़ित ध्रुवशंकर प्रसाद ने थाना में आवेदन देकर बताया कि वह परिवार सहित वीरगंज, नेपाल में रहते हैं। शुक्रवार की सुबह उनके भतीजे ने फोन कर सूचना दी कि घर के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह अपनी पत्नी के साथ गांव पहुंचे। परिजनों ने बताया कि उनके आने से पहले ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर चुकी थी। घर के अंदर प्रवेश करने पर सभी सामान बिखरा पड़ा मिला। जब पत्नी ने एक-एक कर कमरों की जांच की तो पाया कि घर में रखा कीमती सामान गायब है। चोरों ने आलमीरा में रखे 40 पीस चांदी के सिक्के, पुराने पायल के तीन जोड़े तथा नए पायल के दो जोड़े, जिसकी अनुमानित कीमत डेढ़ लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है, चोरी कर ली। इसके अलावा करीब सवा लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात, नकद एक हजार रुपये, एक एलपीजी सिलेंडर और दो कंबल भी चोर अपने साथ ले गए। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध चोरी की घटना को अंजाम देने की आशंका जताई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है तथा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मुजफ्फरपुर के सभी प्रखंडों में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेष शिविरों का आयोजन

» जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर उमड़ी गर्भवती महिलाओं की भीड़

बीएनएम @ मुजफ्फरपुर

जिले के सभी प्रखंडों में शुक्रवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेष स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इसके तहत पुरे जिले में गर्भवतियों की जांच की गई। मुशहरी प्रखंड समेत जिले के सकरा, कांटी, मोतीपुर और अन्य सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सुबह से ही गर्भवती महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक माह की 9 तारीख को गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना है ताकि आने वाले समय में सुरक्षित प्रसव को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जा सके।

मुफ्त जांच और विशेषज्ञ परामर्श की मिली सुविधाः स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात महिला चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ ने मुस्तैदी के साथ केंद्र पर पहुंची महिलाओं का पंजीकरण किया और उनकी विस्तृत शारीरिक जांच की। जांच के क्रम में महिलाओं के रक्तचाप, वजन, शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच अनिवार्य रूप से की गई ताकि उनके स्वास्थ्य की सटीक स्थिति का समय रहते पता लगाया जा सके। मुशहरी स्वास्थ्य केंद्र से प्राप्त तस्वीरों और सूचना के अनुसार वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने इस निशुल्क सेवा का लाभ उठाया और अनुभवी डॉक्टरों से स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त किया।

जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान पर विशेष जोरः अभियान के दौरान चिकित्सकों द्वारा विशेष रूप से उन महिलाओं की पहचान की गई जो हाई रिस्क प्रेगनेंसी की श्रेणी में आती हैं। इस अभियान के तहत शुक्रवार को 41 उच्च जोखिम गर्भावस्था वाली महिलाओं की पहचान की गई। ऐसी महिलाओं को विशेष चिकित्सकीय देखभाल और नियमित फॉलोअप के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ताकि प्रसव के समय किसी भी प्रकार की आपातकालीन जटिलता से बचा जा सके। शिविरों में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान बेहतर पोषण, व्यक्तिगत साफ-सफाई और समय पर जरूरी टीकाकरण कराने की भी महत्वपूर्ण सलाह दी।

जागरूकता और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का दिखा असरः पूरे जिले में एक साथ चले इस महाअभियान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में एक प्रभावी कदम के रूप में काम किया है। डीपीएम रेहान अशरफ का मानना है कि प्रखंड स्तर पर इस तरह के नियमित आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता काफी बढ़ी है। जिले के सभी केंद्रों पर जांच के उपरांत आवश्यक दवाइयों और आयरन की गोलियों का वितरण भी किया गया, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को काफी संबल मिला।

इंडिया चाइना युद्ध समाप्ति के बाद भारतीय सेना को नेपाल बॉर्डर तक भेजने के उद्धेश्य से निर्मित डुमरियाघाट की हालत जर्जर

पुल का आधा हिस्सा पूर्वी चंपारण और आधा हिस्सा गोपालगंज जिले में होने के कारण जवाबदेही से भाग रहे जनप्रतिनिधि

बीएनएम @ डुमरियाघाट@ अमित कुमार सिंह

» 1962 चीन युद्ध की रणनीतिक धरोहर डुमरियाघाट, अब बदहाली की मार

» रणनीतिक पुल डुमरियाघाट उपेक्षा का शिकार, कभी भी हो सकता है हादसा

इंडिया चाइना वार के समाप्ति के बाद भारत सरकार ने भारतीय सेना को नेपाल बोर्डर पर भेजने के उद्देश्य से गंडक (नारायणी) नदी पर डुमरियाघाट पुल का निर्माण काफी जोर शोर और तेजी के साथ कराया था। वर्ष 1971 में पुल निर्माण शुरू हुआ और 1974 में इसे आमजनों के लिए चालू कर दिया गया। अब पुल निर्माण के 51 वर्ष बीत जाने के बाद और सिंगल लेन की पुल पर फोर लेन के वाहनों के आवाजाही और उनके दबाव के कारण डुमरियाघाट पुल काफी क्षतिग्रस्त और जर्जर हो चुका है। ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर पर देश के दूसरे सबसे बड़ी सड़क नेशनल हाइवे 27 जो गुजरात के पोरबंदर से होकर असम के सिल्चर तक जाने वाली अंतरराष्ट्रीय राजमार्ग जो उत्तरप्रदेश–बिहार–नेपाल और देश की राजधानी दिल्ली को सीधे तौर पर आपस में जोड़ने वाली इस सड़क स्थित गंडक नदी के ऊपर बने डुमरियाघाट पुल की हालत जर्जर हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार पुल के पाए और स्लैब में कई जगहों पर काफी जर्जर और क्षतिग्रस्त हो चुके है। पुल के कई हिस्सों में सीमेंट का प्लास्टर झड़ चुका है और उसमें से जंग लगे सरिया झांक रहे है। इस पुल के ऊपर से जब वाहन गुजरते है तो पुल के डोलने से गाड़ियां हिचकोले मारने लगती है। यदि आप इस पुल के ऊपर से गुजर रहे हो तो यह लगता है कि भूकंप आया हो और मानो पुल हवा में डोल रहा हो। खैर यह नजाता पिछले एक दशक से लोगों को देखने को मिल रहा है। मगर इधर कुछ महीनों से पुल की जर्जरता काफी बढ़ चुकी है। करीब सात वर्ष पूर्व दिल्ली से आए इंजीनियरों की टीम ने इस पुल के पाए और स्लैब में लगे कंक्रीट और सरिया की लैब टेस्टिंग कर पुल आवाजाही के लिए लिए कमजोर बता चुके है। फिर भी सरकार द्वारा पुल से वाहनों की आवाजाही या बड़े एवं भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक नहीं लगाया गया है। इधर कुछ दिनों पहले एनएचएआई ने डुमरियाघाट पुल के पूर्वी चम्पारण वाले हिस्से यानी उतर दिशा में पुल के समीप एक साइन बोर्ड लगाकर पुल से गुजरने वाले वाहनों को चेतावनी दिया है कि आगे पुल क्षतिग्रस्त है कृप्या धीरे चलिए, लेन बदलना सख्त मना है। यही लिखकर पुल से गुजरने वाले राहगीरों को चेतावनी दिया है। अब यहां सवाल है कि क्या पुल के एक तरफ साइन बोर्ड लगा देने से पुल की जर्जरता समाप्त हो जाएगी। सीधे तौर पर कहे तो पुल से भारी वाहनों का गुजरना कही से खतरे से खाली नहीं है। मगर फिर भी यहां इस अति व्यस्त पुल से प्रतिदिन हजारों की संख्या में वाहन गुजरते है। यह स्थित कही से खतरे से खाली नहीं है। विभाग द्वारा सिर्फ एक साइन बोर्ड लगा देने से उसकी जिम्मेवारी खत्म नहीं हो जाती। यदि पुल सही में क्षतिग्रस्त है तो इसे भारी वाहनों के लिए यथाशीघ्र बंद किया जाए। बता दें कि पुल का आधा हिस्सा पूर्वी चम्पारण और आधा हिस्सा गोपालगंज जिले के अधीन आता है। इसलिए इस पुल के साथ दोनों जिले के प्रशासन, जनप्रतिनिधि आदि के द्वारा सौतेला व्यवहार किया जाता है। क्योंकि कोई भी एक जिला प्रशासन या जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान नहीं देता है। आखिर दोनों जिला के प्रशासन किस शुभ दिन का इंतजार कर रहे है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि इस विषय पर अतिशीघ्र संज्ञान लिया जाए और यदि पुल सही में क्षतिग्रस्त है तो सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किया जाए ताकि भविष्य में होने वाले अनहोनी को रोका जा सके।

वैशाली में 'मिशन जिंदगी' की नई उड़ानः 2026 में बहेगी रक्तदान की बयार, स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

बीएनएम @ हाजीपुर

रक्त की एक बूंद किसी के बुझते हुए जीवन का चिराग रोशन कर सकती है। इसी मानवीय संवेदना को धरातल पर उतारने के लिए जिला स्वास्थ्य समिति, वैशाली ने वर्ष 2026 के लिए 'मिशन जिंदगी' का आगाज कर दिया है। जिलाधिकारी सह अध्यक्ष और सिविल सर्जन द्वारा जारी इस अभियान का उद्देश्य जिले के ब्लड बैंक को इतना समृद्ध बनाना है कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती माताओं और दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को रक्त के लिए दर-दर न भटकना पड़े।

लक्ष्यः हर कैंप में 'शतक', हर जान की सुरक्षाः डीपीएम डॉ कुमार मनोज ने बताया कि इस बार प्रशासन ने लक्ष्य बड़ा रखा है। आदेश के अनुसार, प्रत्येक शिविर में कम से कम 100 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जमीनी स्तर पर आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सेविका और जीविका दीदी घर-घर जाकर सर्वे करेंगी और लोगों को रक्तदान के महादान के लिए प्रेरित करेंगी। उत्साह बढ़ाने के लिए सर्वाधिक रक्त संग्रह करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

एकजुट प्रयास, सफल अभियानः इस महाभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, स्थानीय पत्रकार और एनजीओ को भी जोड़ा गया है। शिविर से एक सप्ताह पूर्व विशेष बैठकें आयोजित कर रणनीति तैयार की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य का हिस्सा बन सकें।

2025ः जन्दाहा ने बनाया था जन भागीदारी का इतिहास-बीता वर्ष (2025) वैशाली के लिए उत्साहजनक रहा था, जहाँ कुल 318 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इसमें जन्दाहा प्रखंड ने रिकॉर्ड 111 यूनिट के साथ पहला स्थान प्राप्त कर एक मिसाल पेश की थी। चेहराकला (22 यूनिट) और भगवानपुर (21 यूनिट) भी अग्रणी रहे थे। इस वर्ष प्रशासन को उम्मीद है कि ये सभी रिकॉर्ड टूटेंगे और जन-भागीदारी का नया इतिहास रचा जाएगा।

वर्ष 2026 का सेवा कैलेंडरः कब और कहाँ जुड़ें आप?

जिले के विभिन्न सामुदायिक और अनुमंडल स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन तय किया गया हैः

- **जनवरी की शुरुआतः** भगवानपुर (31.01.2026)
- **फरवरीः** बिदुपुर (21.02.2026)
- **मार्चः** चेहराकला (14.03.2026)
- **अप्रैलः** देसरी (18.04.2026)
- **मईः** गोरौल (09.05.2026)
- **जूनः** विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में सदर अस्पताल हाजीपुर (14.06.2026) और जन्दाहा (20.06.2026)
- **जुलाई से सितंबरः** लालगंज (25.07.2026), महनार (22.08.2026), महुआ (19.09.2026) और पटेढ़ी बेलसर (26.09.2026)
- **अक्टूबरः** पातेपुर (10.10.2026) और राघोपुर (31.10.2026)
- **नवंबरः** राजापाकर (07.11.2026) और सहदेई बुजुर्ग (28.11.2026)

* दिसंबर का समापनः वैशाली (12.12.2026) और सदर अस्पताल हाजीपुर (15.12.2026)

आग लगने से किराना दुकान की गुमटी जलकर खाक

दुकानदार ने थाने में पड़ोसी के खिलाफ दिया आवेदन

बीएनएम @ सुगौली

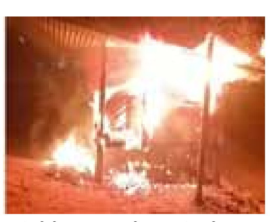

नगर पंचायत के वार्ड संख्या छः बस स्टैंड चौक स्थित एक गुमटी में गुरुवार की रात आग लगने से उसमें रखा किराने का समान जलकर खाक हो गया। गुमटी स्थानीय सिसवनिया टोला निवासी मुर्शीद आलम की बताई जाती है। मामले को लेकर मुर्शीद आलम ने थाना में सिसवनिया टोला निवासी कलिमुल्लाह मियां के पुत्र शमीम आलम को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया है। थाने को दिये आवेदन में मुर्शीद ने बताया है कि शमीम आलम दुकान से उधारी सामान मांगा था। उधार नहीं देने पर रात में गुमटी को आग लगा दिया। जिसमें लगभग सत्तर हजार रुपये का सामान जल गया है। वहीं आरोपी शमीम आलम ने इसे अदावत के तहत घटना का आरोपी बनाए जाने की बात कही है। शमीम ने बताया कि बेवजह मुझ पर आरोप लगा कर मेरी पिटाई की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारतीय उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ गया

ये मामला भारत में मोनोपॉली, ड्यूओपॉली और कार्टेल्स बनने की बढ़ती गई शिकायतों की पुष्टि है। इसी का परिणाम है कि उत्पादन संबंधी इनपुट लागत ऊंची बनी रही है, जिससे निवेश और बाजार के विस्तार के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। कॉम्पीटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि बड़ी स्टील उत्पादक कंपनियों टाटा, जिंदल स्टील और सेल ने कई अन्य छोटी कंपनियों के साथ मिल कर कार्टेल (गुट) बनाया और देश में इस्पात की कीमत मिल-जुल कर तय की। 2015 से 2023 के बीच की कई अवधियों में ऐसा किया गया। यानी इन कंपनियों ने आपस में अपेक्षित प्रतिस्पर्धा नहीं की। जबकि पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में सिर्फ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ही उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता के उत्पाद उचित मूल्य पर मिल सकते हैं। जबकि उत्पादक कंपनियां मिलीभगत कर लें, तो गुणवत्ता पर समझौता करते हुए या मनमानी कीमत वसूलते हुए वे अपना मुनाफा बढ़ाती हैं। इसीलिए ऐसी प्रवृत्ति रोकने का कानून है। सीसीआई की जांच इस नतीजे पर पहुंची कि स्टील उत्पादक कंपनियों ने संबंधित कानून उल्लंघन किया। सीसीआई के पास मामला बिल्डरों की अर्जी से पहुंचा, जिसमें इल्जाम लगाया गया था कि नौ स्टील कंपनियों ने मिलीभगत से बाजार में स्टील की उपलब्धता घटाई, ताकि वे महंगी दर पर अपने उत्पाद बेच सकें। सीसीआई ने इन कंपनियों के 56 अधिकारियों को दोषी ठहराया है, जिन पर भारी जुर्माना लगाए जाने की संभावना है। स्पष्टतः ये घटना भारतीय अर्थव्यवस्था में मोनोपॉली (एकाधिकार), ड्यूओपॉली (द्वि-अधिकार) और कार्टेल्स बनने की बढ़ती गई शिकायतों की पुष्टि है। इसी का परिणाम है कि उत्पादन संबंधी इनपुट लागत ऊंची बनी रही है, जिससे निवेश और बाजार के विस्तार के लिए प्रतिकूल स्थितियां बनी हैं। हैरतअंगेज यह है कि ऐसी कंपनियों की सहायता के लिए सरकार भी सहर्ष आगे रही है। बीते हफ्ते ही केंद्र ने डंपिंग रोकने के नाम पर आयातित स्टील पर सेफगार्ड ड्यूटी लगाया। उसके बाद भारतीय स्टील कंपनियों ने अपने उत्पाद की कीमत में 2 से 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी। यानी भारतीय उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ गया है। मुद्दा यह है कि जो उद्योग घराने अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरतों पर अपने मुनाफे को इस तरह तरजीह दे रहे हों|

वैश्विक मंच पर हिंदी

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है। अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है। विश्व में ऐसे भी स्थान हैं जहां भारतीय मूल के लोग नहीं हैं तब भी वहां हिंदी बोली-समझी और पढ़ी जा रही है। आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है। इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है। अब विश्व का मानचित्र बदल गया है। पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया किंतु अब हिंदी के लिए गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया कि वहां कभी सूर्य अस्त नहीं होता। भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है। वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्विकरण और औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना पड़ा। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सिखाने का व्यवसाय कर रहे हैं। अपने उत्पादों के तकनीकी महत्व, जरूरी सूचनाएं, विज्ञापन आदि हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन, विज्ञान, वाणिज्य, व्यवसाय, सूचना प्रणाली, डिजिटल मीडिया आदि अन्य क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्ता को रेखांकित करता है। अतः हिंदी केवल साहित्य की भाषा नहीं अपितु यह पूंजी, बाजार, संचार, तकनीक, विज्ञान, कूटनीति राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का भी प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय जनमानस में सहिष्णुता, समरसता और स्व का भाव उत्पन्न करने वाली हिंदी वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही है। हिंदी न केवल संख्या बल वरन भू विस्तार की दृष्टि से भी विश्व की प्रधान भाषाओं में से एक है। विश्व के मानचित्र पर तीसरी सबसे बड़ी संवाद शक्ति बनकर उभर रही हिंदी गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 50% से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता हिंदी में सामग्री का उपभोग कर रहे हैं। सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब और विकिपीडिया पर हिंदी कंटेंट रचनाकारों की संख्या करोड़ों में हो गई है। डिजिटल मीडिया के युग में हिंदी सिनेमा, संगीत, गीतों, उपग्रह से प्रसारित कार्यक्रमों, धारावाहिकों, भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, खानपान, योग, अध्यात्म, लोकतांत्रिक मूल्यों और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक 'सॉफ्ट पावर' के रूप में स्थापित कर दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब हिंदी को अपनी रणनीति का अनिवार्य हिस्सा मान रही है। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी हिंदी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा के रूप में नए आयाम दिए हैं। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि विषयों की पाठ्य सामग्री भी अब हिंदी में सहजता से उपलब्ध होने के कारण शिक्षा का लोकतांत्रिकरण हो रहा है। विश्व के 180 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन प्रशिक्षण और शोध कार्य हो रहा है। इस प्रकार हिंदी विश्व भाषा बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है। वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी भाषा के प्रयोग में परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। साहित्य की दृष्टि से हिंदी में गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टि से उच्चतम साहित्य सृजित किया जा रहा है। हिंदी विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का सशक्त माध्यम बन गई है। आज विश्व में पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में आधे से अधिक हिंदी के हैं। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में यद्यपि पूर्ण सम्मान नहीं मिला किंतु हिंदी में संयुक्त राष्ट्र के न्यूज पोर्टल चल रहे हैं। प्रवासी भारतीयों का हिंदी को जीवंत बनाए रखने में अद्भुत योगदान है। समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशनों व जी 20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी के उद्घोष तथा विदेशों में हिंदी में प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं व सोशल मीडिया के व्यापक प्रयोग से विश्व में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता में सुखद वृद्धि हो रही है। आज जन भाषा, संपर्क भाषा, वैश्विकरण और बाजारवाद के अनूठे दौर में विश्व फलक पर हिंदी के कदम निरंतर बढ़ रहे हैं और समग्र संसार में हिंदी को नए आयाम मिल रहे हैं। यद्यपि हिंदी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद भी हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित है। सबसे बड़ी संवैधानिक कठिनाई यह है कि यदि भारत का एक भी प्रांत हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिस्थापित नहीं करना चाहेगा तो वह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकती। इसके साथ ही राजनीतिक नेतृत्व की तदर्थ वादी नीति, हिंदी समाज के मध्यम वर्ग का अपनी मातृभाषा के प्रति न्याय न करने, नौकरशाही प्रशासनिक तंत्र, अभिजात्य वर्ग की हिंदी के प्रति उपेक्षा तथा हिंदी के साथ अंग्रेजी की प्रतिष्ठा बनाए रखने के कारण हिंदी अपने ही घर में दासी की स्थिति में रह रही है। पता नहीं राष्ट्रभाषा हिंदी का वनवास कब समाप्त होगा। हमें फादर कामिल बुल्के के इन विचारों को नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर मॉरीशस में अभिव्यक्त किए थे "द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि मॉरीशस के हिंदी भाषी नागरिकों से भारत के नागरिक प्रेरणा लेंगे और भारत में हिंदी को पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करेंगे। ऐसा हो जाने पर ही हिंदी को विश्व भाषा का गौरव प्राप्त होगा।" आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के बिंदु विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन ऐसे महत्वपूर्ण आयाम हैं जिनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पंच प्रण का दूसरा संकल्प गुलामी की हर सोच से मुक्ति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भाषा। दुर्भाग्यवश भारत को उस औपनिवेशिक शक्तिशाली मानसिकता से मुक्त करना संभव नहीं हो सका जिसमें अंग्रेजी को जानना ही विद्वता की निशानी माना जाता है। इसे अंग्रेजी के प्रति हमारी विवशता कहें या आकर्षण या अंधमोह कि आज अंग्रेजी हिंदी से अधिक सशक्त बन गई है। जन सामान्य को यह लगता है कि उनका बच्चा यदि अंग्रेजी नहीं जानता तो वह कितना भी मेधावी और प्रतिभाशाली क्यों ना हो सफल नहीं हो सकता। शिक्षा के पूंजीवादी चरित्र ने अंग्रेजी स्कूलों की भरमार लगा दी है।

भारत में वामपंथी वैचारिकी, विश्वविद्यालयी आंदोलन और नक्सली समर्थन

कैलाश चन्द्र

भारत का लोकतंत्र अपनी विविधता, मतभिन्नता और खुली बहस की परंपरा के कारण विश्व में विशिष्ट रहा है। किंतु पिछले दो दशकों में एक ऐसी वैचारिक धारा विकसित हुई है, जिसने विश्वविद्यालयों, वामपंथी छात्र संगठनों, शहरी बुद्धिजीवी समूहों और माओवादी हिंसा को व्यापक वैचारिक सूत्र में पिरो दिया है। यह विमर्श केवल छात्र-राजनीति या असहमति तक सीमित नहीं; यह राज्य-विरोध, पहचान की राजनीति, 'क्रांतिकारी प्रतिरोध' की संस्कृति और अंततः माओवादी सशस्त्र संघर्ष तक फैला सुनियोजित नैरेटिव बन चुका है। सबसे स्पष्ट उदाहरण दिल्ली के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय- जेएनयू और जामिया मिल्लिया इस्लामिया तथा हैदराबाद एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय हैं, जहाँ विमर्श का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दृष्टिकोण से हटकर एक प्रकार के वैचारिक अराजकवाद की ओर दिखाई देता है। जेएनयू में एसएफआई, एआईएसए, डीएसएफ, डीएसयू जैसे वामपंथी छात्र संगठनों ने बीते वर्षों में न केवल वर्ग-संघर्ष के अपने पुराने नारे को पुनर्जीवित किया बल्कि राज्य, न्यायपालिका और लोकतांत्रिक संस्थाओं को खुलेआम चुनौती देने वाले आंदोलन खड़े किए। साल 2016 में अफजल गुरु की फाँसी के विरोध में लगे "भारत की बर्बादी तक जंग चलेगी" और "पाकिस्तान जिंदाबाद" जैसे नारे विश्वविद्यालयी राजनीति को निर्णायक मोड़ देने वाले सिद्ध हुए। यह सिर्फ एक छात्र-प्रदर्शन भर नहीं था; यह राष्ट्र-राज्य और न्यायिक संरचना को अवैध ठहराने वाले वैचारिक उभार का संकेत था, जिसमें अफजल गुरु जैसे आतंकवादी के प्रति सहानुभूति जताई गई और भारतीय न्याय व्यवस्था को "कातिल" बताने की मुहिम चली। इसी क्रम की अगली कड़ी जनवरी 2026 में तब उभरी, जब उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएँ खारिज होने पर जेएनयू में "मोदी–शाह की कब्र खुदेगी" जैसे हिंसक-उन्मादी नारे लगे। ये नारे लोकतांत्रिक असहमति से कहीं आगे बढ़कर हिंसक क्रांति की विचारधारा को वैधता प्रदान करते दिखे। एबीवीपी तथा अन्य समूहों द्वारा इसे राष्ट्र-विरोधी गतिविधि बताया जाना स्वाभाविक था; विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एफआईआर दर्ज करने से यह स्पष्ट हुआ कि परिसर केवल बहस के मंच नहीं रह गए बल्कि वैचारिक युद्धभूमि में बदल रहे हैं। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सीएए-एनआरसी आंदोलन के बाद तो 'प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स' का एक नया मॉडल विकसित हुआ- जहाँ सड़क, सोशल मीडिया और विश्वविद्यालय परिसर मिलकर ऐसा नैरेटिव गढ़ते हैं जिसमें अल्पसंख्यक अधिकार, राज्य दमन और उदार-वामपंथी विमर्श एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। यहाँ भी वही तर्क- फासीवाद, पुलिस-राज, राज्य-आतंक- प्रमुखता से उभरे, जो माओवादी अपने हिंसक संघर्ष को उचित ठहराने के लिए दशकों से उपयोग करते आए हैं। यही वैचारिक साम्यता भारत के आदिवासी अंचलों में फैली माओवादी हिंसा को विश्वविद्यालयी विमर्श से जोड़ती है। साल 2010 के दंतेवाड़ा नरसंहार, जिसमें 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत हुई, कुछ वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसे "ऑपरेशन ग्रीन हंट का प्रतिकार" कहकर उचित ठहराने का प्रयास किया। इसी प्रकार साल 2021 में सुकमा-बीजापुर में 22 जवानों की हत्या और इन घटनाओं में माओवादी कमांडर मदवी हिड़मा की भूमिका यह प्रमाण है कि विचार जब हथियारों के साथ घुल-मिल जाते हैं, तो वह राष्ट्र और उसके रक्षकों पर प्रहार के रूप में सामने आते हैं। साल 2025 में हिड़मा और बसवराजू जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के मारे जाने के बाद भी शहरी नक्सली नेटवर्क सक्रिय रहा। उसी वर्ष दिल्ली के प्रदूषण-विरोधी प्रदर्शनों में मदवी हिड़मा के समर्थन में नारे और बिरसा मुंडा की छवि के साथ हिड़मा के पोस्टर लगाना यह दर्शाता है कि शहरी नेटवर्क न केवल ग्रामीण हिंसा का समर्थन करते हैं बल्कि आदिवासी प्रतीकों को माओवादी हिंसा के औचित्य के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति अपनाते हैं। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत में वामपंथी छात्र राजनीति अब सिर्फ परिसर-गत मुद्दों का विस्तार नहीं रह गई; यह राष्ट्रीय राजनीति से लेकर सशस्त्र माओवादी संघर्ष तक फैला बड़ा वैचारिक मोर्चा है। न्यायपालिका के निर्णयों- अफजल गुरु, बुरहान वानी आदि के विरुद्ध जिस आक्रोश और "प्रतिरोध" का नैरेटिव खड़ा किया गया, वह वही समूह कर रहे हैं जो लगातार राज्य की नैतिक वैधता को ही संदेह के घेरे में रखते हैं। "भारत तेरे टुकड़े होंगे" और प्रधानमंत्री–गृहमंत्री के लिए खुलेआम हिंसक धमकियाँ, लोकतांत्रिक असहमति नहीं बल्कि अराजकता की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। इस वैचारिक तंत्र के भीतर मार्क्सवादी समूहों, इस्लामी कट्टरपंथी धाराओं, माओवादी नेटवर्क और कुछ विदेशी मिशनरी संगठनों की गतिविधियों का घालमेल एक प्रकार के वैचारिक 'कॉकटेल मॉडल' के रूप में उभर रहा है- जिसका लक्ष्य भारत की एकता को कमजोर करना, समाज में विभाजन पैदा करना और राज्य-व्यवस्था को चुनौती देना है। पूर्वोत्तर भारत को 'चिकन नेक' क्षेत्र में विभाजित कर अलग करने की खुली वकालत करने वाले समूहों को भी लंबे समय से विश्वविद्यालय परिसर वैचारिक ऊर्जा प्रदान करते रहे हैं। यदि ऐसे शैक्षणिक केंद्र और शहरी नेटवर्क अनियंत्रित रहे, तो आने वाले समय में यही संस्थान वैश्विक मंच पर भारत की पहचान को अराजकता, हिंसा और पत्थरबाज़ी के प्रतीकों में बदल सकते हैं। यह नहीं कि असहमति होनी चाहिए या नहीं- असहमति लोकतंत्र की आत्मा है। प्रश्न यह है कि क्या असहमति की आड़ में राष्ट्र-विरोध, हिंसा और सशस्त्र संघर्ष का समर्थन दिया जा सकता है? क्या विश्वविद्यालय ज्ञान के केंद्र बने रहेंगे या राजनीतिक रणभूमि बन जाएंगे? क्या भारतीय वामपंथ माओवादी हिंसा से स्वयं को स्पष्ट रूप से अलग कर अपनी वैधानिक भूमिका सिद्ध करेगा? क्या भारत अपनी शिक्षा संस्थाओं को विदेशी हस्तक्षेप, वैचारिक प्रदूषण और उग्रवाद के बढ़ते प्रभाव से सुरक्षित रख सकेगा? भारत का भविष्य इन्हीं निर्णायक प्रश्नों के उत्तरों में निहित है।

मेष राशि – किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने लिए लक्ष्य तय करते समय वर्तमान स्थिति पर जरूर ध्यान दें। जितने अधिक उलझन में रहेंगे, आपकी कार्यक्षमता कम होती हुई नजर आएगी। ऑफिस में आज सीनियर्स आपके अधूरे काम को देखकर आप पर दबाव बना सकते हैं।
शुभ रंग - नीला

वृष राशि – पुराना रुका हुआ पैसा आज वापस मिलेगा आज आपका दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप परिवार वालों के साथ समय बितायेंगें। घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। इस राशि के एग्रोकेमिकल व्यापारी को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेलरिंग का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।
शुभ रंग - ऑरेंज

मिथुन राशि– आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे रुके काम आसानी से हो जाएंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े बच्चों को अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में ऑफिस के कलीग्स के साथ बाहर जा सकते हैं।
शुभ रंग - पीला

कर्क राशि – आज पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज जिन लोगों के विरोध की वजह से आपके काम में रूकावट आ रही थी आज वह समाप्त हो जाएगी। आज स्वभाव में नेगेटिविटी लाने की बजाय अपने काम पर ध्यान देने की जरूरत है। आज पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।
शुभ रंग - लाल

सिंह राशि – आज अपने काम को गंभीरता से करें आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके कठिन परिश्रम का अच्छा फल आपको मिलेगा इससे आपका कॉन्फिडेंस बढेगा। आज अपने काम को गंभीरता से करें। समाज के लोग आज आपके व्यक्तित्व से खुश होंगे। आज किसी काम को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं।
शुभ रंग - पीच

कन्या राशि– इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अगर आपकी सरकारी कार्यवाही चल रही है तो आज आपको समाधान मिल सकता है। आज ऑफिस में बॉस को इम्प्रेस करने के लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।
शुभ रंग - गोल्डन

तुला राशि – आज कुछ नया सीखने को मिल सकता है आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप कई तरह की गतिविधियों में दिन बिताएंगे इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरे कर लेंगे। विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे लोगों के लिए आज खुशखबरी मिलेगी।
शुभ रंग - पीला

वृश्चिक राशि – आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारी हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

धनु राशि – आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के टेक्सटाइल व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। जिससे आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। आज भाई-बहन के साथ गेम्स खेलने का प्लान करेंगे।

मकर राशि – आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा जिससे आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यो में मन लगाने से शांति मिलेगी।

कुम्भ राशि– आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लग सकता है आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज निर्णय लेने से पहले उससे संबंधित सभी पहलुओं पर उचित सोच-विचार करेंगे। आज बिजनेस में सभी गतिविधियों पर ध्यान रखें।

मीन राशि – आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो घर पर ही बिजनेस करने की सोच रही है। उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, नहीं तो वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

विश्व में हिन्दी की बढ़ती साखः भारत में उपेक्षा क्यों?

ललित गर्ग

हर वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाने वाला विश्व हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक या प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा की वैश्विक यात्रा, उसकी बढ़ती प्रतिष्ठा, उसके सामने उपस्थित चुनौतियों और हमारे अपने राष्ट्रीय आचरण की विडंबनाओं पर गहन चिंतन का अवसर है। यह दिन हमें उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति कराता है जब पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी बोली गई थी और भारत की सांस्कृतिक आत्मा ने विश्व मंच पर अपनी मौलिक पहचान दर्ज कराई थी। आज स्थिति यह है कि हिंदी विश्व में सम्मान, स्वीकार्यता और लोकप्रियता की नई ऊँचाइयों को छू रही है, लेकिन अपने ही देश में वह अपेक्षा, उपेक्षा और संकोच के बीच झूलती दिखाई देती है। यही विरोधाभास विश्व हिंदी दिवस को और अधिक प्रासंगिक बना देता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में फैले हिंदी जानकारों, हिन्दीभाषियों को एकजुट करना, हिन्दी को विश्व स्तर पर स्थापित एवं प्रोत्साहित करना और हिंदी की आवश्यकता से अवगत कराना है। अंग्रेजी भाषा भले ही दुनियाभर के कई देशों में बोली है और लिखी जाती है लेकिन हिंदी हृदय की भाषा है। विश्व हिन्दी दिवस विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करने तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने का प्रभावी उपक्रम है। हिंदी मात्र संवाद की भाषा नहीं है, वह भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संवेदना और सामूहिक चेतना की वाहक है। यह लोक से उपजी, लोक में पली और लोक के लिए ही जीने वाली भाषा है। हिंदी का सबसे बड़ा गुण उसकी सहजता, सरलता और वैज्ञानिक संरचना है। यह ध्वन्यात्मक भाषा है, जिसमें जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है, जिससे इसे सीखना और अपनाना अपेक्षाकृत सरल हो जाता है। यही कारण है कि जिन देशों में भारतीय प्रवासी बसे हैं, वहां हिंदी ने सहज ही अपनी जड़ें जमा ली हैं। एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक हिंदी आज केवल भारतीयों की भाषा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद की भाषा बनती जा रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, बॉलीवुड, भक्ति साहित्य और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, अंग्रेजी और मंदारिन चीनी के बाद, और भारत के साथ-साथ नेपाल, मॉरीशस, फिजी जैसे देशों में भी इसका व्यापक उपयोग है और यह विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। विश्व में लगभग साठ-सत्तर करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते, समझते या किसी न किसी रूप में उससे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी की उपस्थिति निरंतर बढ़ रही है। विश्व हिंदी सम्मेलन, जिसकी शुरुआत 1975 में नागपुर में हुई थी, आज एक वैश्विक वैचारिक आंदोलन का रूप ले चुका है। इन सम्मेलनों ने यह सिद्ध किया है कि हिंदी केवल भावनाओं या साहित्य की भाषा नहीं, बल्कि विचार, विज्ञान, कूटनीति और वैश्विक संवाद की भी सक्षम भाषा है। हिंदी को वैश्विक मंच पर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ प्रस्तुत करने का श्रेय यदि किसी भारतीय नेता को जाता है, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हैं। 1977 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया उनका भाषण केवल भाषण नहीं था, बल्कि वह एक सांस्कृतिक उद्घोषणा थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने यह सिद्ध कर दिया कि हिंदी में भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति, शांति, निरस्त्रीकरण और मानवता जैसे गहन विषयों पर प्रभावी संवाद संभव है। उनके लिए हिंदी भावुक आग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्रबोध की सशक्त अभिव्यक्ति थी। उन्होंने हिंदी को सत्ता की भाषा बनाने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसे संवाद और आत्मगौरव की भाषा के रूप में प्रतिष्ठित किया। वैश्वीकरण और उदारीकरण के दौर में हिंदी की यात्रा कुछ हद तक धीमी अवश्य हुई, विशेष रूप से शासन और उच्च प्रशासनिक स्तर पर। अंग्रेज़ी को आधुनिकता, सफलता और वैश्विकता का प्रतीक मान लिया गया, जबकि हिंदी को प्रायः भावनात्मक या घरेलू दायरे में सीमित कर दिया गया। शिक्षा, न्यायपालिका, कॉर्पोरेट जगत और उच्च प्रशासन में हिंदी अपेक्षित स्थान नहीं बना सकी। हालांकि हिंदी साहित्य, पत्रकारिता और सिनेमा ने इस दौर में भी अपनी सृजनात्मक ऊर्जा बनाए रखी, लेकिन नीतिगत स्तर पर हिंदी को वह प्राथमिकता नहीं मिल पाई जिसकी वह हकदार थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हिंदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति दर्ज कराई है। वे विश्व के किसी भी मंच पर हिंदी में बोलने से संकोच नहीं करते। संयुक्त राष्ट्र महासभा, जी-20 सम्मेलन, शंघाई सहयोग संगठन या प्रवासी भारतीयों के कार्यक्रम, हर जगह उनकी हिंदी यह संदेश देती है कि अपनी भाषा में बोलना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। नरेंद्र मोदी ने हिंदी को अनुवाद की बैसाखी के सहारे नहीं, बल्कि उसकी मौलिक शक्ति के साथ प्रस्तुत किया। डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों में हिंदी को केंद्र में रखा गया, जिससे आम नागरिक का शासन से संवाद अधिक सुलभ और प्रभावी हुआ। सरकारी योजनाओं, मोबाइल ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिंदी की बढ़ती उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि तकनीक और हिंदी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। इसके बावजूद यह एक कटु सत्य है कि हिंदी आज विश्व में जितनी प्रतिष्ठित हो रही है, उतनी ही अपने ही देश में उपेक्षित होती जा रही है। अंग्रेज़ी को सामाजिक प्रतिष्ठा और बौद्धिक श्रेष्ठता का पैमाना बना दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम में पढ़ाकर गर्व महसूस करते हैं, जबकि हिंदी माध्यम को हीन दृष्टि से देखा जाता है। यह समस्या भाषा की नहीं, मानसिकता की है। यह मानसिक गुलामी है, जो हमें अपनी ही भाषा से दूर करती जा रही है। राजनीतिक दल हिंदी की बात तो करते हैं, लेकिन उसे शिक्षा, न्याय और प्रशासन की मुख्यधारा में स्थापित करने के लिए ठोस इच्छाशक्ति का अभाव दिखाई देता है। हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा भी है, यह तथ्य अक्सर उपेक्षित रह जाता है। इसकी वर्णमाला उच्चारण विज्ञान पर आधारित है। इसमें नए शब्द गढ़ने और विदेशी शब्दों को आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। संस्कृत से जुड़ी होने के कारण यह तकनीकी, दार्शनिक और वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण में पूरी तरह सक्षम है। हिंदी में भावनाओं की अभिव्यक्ति जितनी सहज है, उतनी ही तार्किक और बौद्धिक विमर्श की भी क्षमता है। यही कारण है कि हिंदी जनभाषा होते हुए भी वैश्विक संवाद की भाषा बनने की पूरी क्षमता रखती है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी अपने उचित सम्मान को लेकर जूझ रही है। राजनीति की दूषित एवं संकीर्ण सोच का परिणाम है कि हिन्दी को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान आजादी के अमृत महोत्सव मना चुके राष्ट्र में अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई एवं राजकाज की भाषा के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित या नियंत्रित किया जाना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में श्रेयस अय्यर का खेलना तय

एजेंसी, मुम्बई

विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी को होने वाले पहले एकदिवसीय में अवसर मिलने की काफी संभावनएं हैं। श्रेयस को एकदिवसीय सीरीज के लिए उपकप्तान बनाया गया है पर चयन समिति ने टीम की घोष्णा के समय कहा था कि उनको टीम में शामिल किये जाने का फैसला पूरी तरह से फिट होने पर ही लिया जाएगा। श्रेयस वड़ोदरा में में होने वाले पहले एकदिवसीय के लिए टीम से जुड़ गये हैं। वहीं अधिकतर खिलाड़ी एक दिन पहले ही टीम से जुड़ गये थे। श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे थे। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए 82 और 45 रनों की पारियां खेलकर अय्यर ने खेल में अच्छी वापसी की है। उन्होंने इस मैच में मुंबई की कप्तानी भी की थी। एक दशक से भी अधिक समय के समय के बाद वड़ोदरा में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। जिसको देखते हुए इस मैच को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

टीम इस प्रकार हैः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

नेशनल वॉलीबॉल में यूपी की बेटियों का कमाल, क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

» पुरुष वर्ग में कड़े संघर्ष के बाद रेलवे से हारा उत्तर प्रदेश
» 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी, वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ . संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में जारी 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरुवार शाम उत्तर प्रदेश की महिला टीम ने अपने जुझारू प्रदर्शन से इतिहास रच दिया। क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग मुकाबले में ओडिशा को हराकर यूपी की बेटियों ने अगले चक्र में प्रवेश कर लिया । वहीं, पुरुष वर्ग में कांटे की टक्कर के बीच रेलवे ने उत्तर प्रदेश का सफर रोक दिया। महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में उत्तर प्रदेश और ओडिशा के बीच हर अंक के लिए संघर्ष हुआ। यूपी की जीत की मुख्य सूत्रधार सेटर आर्या रहीं, जिन्होंने अपनी उंगलियों के जादू से शानदार 'बॉल सेट' किए। उनकी सटीक सेटिंग का पूरा फायदा काजल और प्रियंका जैसी अटैकर्स ने उठाया और ओडिशा के पाले में धुआंधार स्मैश की बौछार कर दी। डिफेंस में लिब्रो जान्सी ने अविश्वसनीय कलेक्शन दिखाए, जबकि नेट पर मीना और नीलू ने अपनी ब्लॉकिंग से प्रतिद्वंद्वी के हमलों को नाकाम कर दिया। ओडिशा की हार का मुख्य कारण उनका कमजोर बॉल पास और अंत में बिखरा हुआ तालमेल रहा। यूपी ने यह मुकाबला 3-1 (25-23, 27-25, 23-25, 25-23) से अपने नाम किया।

वही, पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग में रेलवे ने उत्तर प्रदेश को 3-2 से शिकस्त दी। यूपी की ओर से रजनीश सिंह और शहीद आलम के पावरफुल शॉट्स और यूनिवर्सल सूर्यांश के ऑलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे को मुश्किल में डाले रखा, लेकिन अंत में रेलवे के अनुभव ने बाजी मार ली। रेलवे के अटैकर रोहित, शाहिद व तनिष्क और ब्लॉकर संजय मलिक व शुभम के सामने यूपी का डिफेंस टिक नहीं सका। यूनिवर्सल रोहित के ऑलराउंड प्रदर्शन ने रेलवे की जीत सुनिश्चित की।

- **शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच-** प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल के 8 मैच खेले जाएंगे। इसमें दोपहर 12:00 बजेः हरियाणा बनाम रेलवे , दोपहर 02:00 बजेः सर्विसेज बनाम राजस्थान, शाम 04:00 बजेः झारखंड बनाम पंजाब, शाम 06:00 बजेः तमिलनाडु बनाम केरल

महिला वर्ग

- दोपहर 12:00 बजेः केरल बनाम उत्तर प्रदेश
- दोपहर 02:00 बजेः पश्चिम बंगाल बनाम हरियाणा
- शाम 04:00 बजेः राजस्थान बनाम चंडीगढ़
- शाम 06:00 बजेः रेलवे बनाम तमिलनाडु

मलेशिया ओपन : चोट के कारण यामागुची के हटने से सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

एजेंसी, कुआलालंपुर

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण मैच से हटने के बाद सिंधु को यह सफलता मिली। लंबे समय बाद चोट से वापसी कर रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। इस दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची घुटने पर ब्रेस लगाए नजर आईं। पहले गेम के बाद यामागुची ने अपनी चोट को देखते हुए मैच आगे नहीं खेलने का फैसला किया। इस जीत के साथ विश्व नंबर-18 सिंधु ने यामागुची के खिलाफ अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 15-12 कर लिया। खास बात यह है कि सिंधु आठ साल बाद मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची हैं, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। सेमीफाइनल में अब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु का सामना इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी या चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी से होगा। आज भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी कोर्ट पर उतरेंगी। भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी से होगा।

प्रीमियर लीग 2025-26: आर्सेनल और लिवरपूल के बीच गोलरहित ड्रॉ

एजेंसी, लंदन

आर्सेनल को प्रीमियर लीग 2025-26 में शीर्ष पर अपनी बढ़त आठ अंकों तक ले जाने का सुनहरा मौका गंवाना पड़ा, जब बारिश से भीगे एमिरेट्स स्टेडियम में गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में उसका सामना डिफेंडिंग चैंपियन लिवरपूल से 0-0 की निराशाजनक बराबरी पर छूटा।‹मिकेल आर्टेटा की टीम ने अपने पिछले सात घरेलू लीग मुकाबले जीते थे और उसे उम्मीद थी कि वह खिताबी प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाएगी, खासकर तब जब मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला ने एक रात पहले अंक गंवाए थे। हालांकि, लिवरपूल—जो चोटों से जूझ रहा था और बिना किसी मान्यता प्राप्त स्ट्राइकर के उतरा—ने आर्सेनल को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मैच की शुरुआत में आर्सेनल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन लिवरपूल ने धीरे-धीरे लय पकड़ी और पहले हाफ में बढ़त लेने के सबसे करीब रहा। कॉनर ब्रैडली का चिप शॉट क्रॉसबार से टकरा गया, जबकि कोडी गाकपो का फॉलो-अप शॉट डिफेंस ने रोक लिया। दूसरे हाफ में आर्टेटा ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कई बदलाव किए, लेकिन उनका असर सीमित रहा। गेब्रियल जीसस, गेब्रियल मार्टिनेली, एबेरेची एज़े और नोनी माडुके जैसे खिलाड़ियों को उतारने के बावजूद आर्सेनल की आक्रमण पंक्ति बेअसर रही और मुकाबला धीरे-धीरे फीका पड़ गया। इस ड्रॉ के साथ आर्सेनल मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला से छह अंक आगे शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि लिवरपूल नौ मैचों की अपराजेय लीग श्रृंखला के बावजूद चौथे स्थान पर है और शीर्ष से 14 अंक पीछे है। दूसरे हाफ में आर्सेनल का दबदबा लगभग नदारद रहा। टीम को स्टॉपेज टाइम तक कोई कॉर्नर भी नहीं मिला और उसकी मशहूर सेट-पीस रणनीति भी काम नहीं आई। मैच के अंत में खिलाड़ियों और दर्शकों के चेहरों पर निराशा साफ दिखी, हालांकि 17 मैच शेष रहते आर्सेनल अब भी 2004 के बाद अपना पहला इंग्लिश लीग खिताब जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

मैच के बाद आर्टेटा ने कहा- "दूसरा हाफ हमारे लिए काफी मुश्किल रहा। ऐसे मुकाबलों में किसी खास पल की जरूरत होती है, जो नहीं आया। लेकिन अगर आप जीत नहीं सकते, तो हारना भी नहीं चाहिए। क्रिसमस के दौरान हमने छह मैच खेले और इसके बावजूद हम मजबूत स्थिति में हैं।"

लिवरपूल को अंक मिलना जायज रहा, हालांकि उसे अंत में एक और चोट का झटका लगा जब ब्रैडली स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। इस घटना के दौरान गेब्रियल मार्टिनेली द्वारा घायल खिलाड़ी को मैदान से हटाने की कोशिश पर विवाद हुआ और उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया।

लिवरपूल के मिडफील्डर डोमिनिक सोबोस्लाई ने कहा- "हम जीतना चाहते हैं, वे भी जीतना चाहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की सेहत किसी भी चीज से ज्यादा अहम है।"

मैच का हाल- मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला के अंक गंवाने के बाद आर्सेनल के लिए खिताबी दौड़ में बढ़त बनाने का मंच सजा था। शुरुआती मिनटों में आर्सेनल ने पजेशन पर कब्जा रखा, लेकिन बुकेयो साका के एक शॉट के अलावा कोई बड़ा मौका नहीं बना पाया।

लिवरपूल, जो ह्यूगो एकिटिके, अलेक्जेंडर इसाक और मोहम्मद सलाह जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेल रहा था, पहले बड़े मौके का हकदार बना। विलियम सलीबा और गोलकीपर डेविड राया के बीच गलतफहमी का फायदा उठाते हुए ब्रैडली ने शानदार प्रयास किया, जो दुर्भाग्यवश क्रॉसबार से टकरा गया। दूसरे हाफ में भी मैच का पैटर्न नहीं बदला। आर्सेनल सुस्त दिखा और लिवरपूल ने खेल की गति को नियंत्रित किया। अंत में चार हमलावरों के साथ खेलने के बावजूद आर्सेनल लीग में अगस्त के बाद पहली बार गोल करने में नाकाम रहा। इस तरह, खिताबी दौड़ में अहम मौके पर आर्सेनल को एक अंक से संतोष करना पड़ा।

व्यापार

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गिरा, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से ज्यादा टूटा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक हरे निशान में पहुंच गए। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पहले घंटे के कारोबार के दौरान खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी करते रहे, लेकिन इसके बाद लगभग दिन भर बाजार में बिकवाली का दबाव ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.72 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत लुढ़क कर बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों की खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, रियल्टी, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्युरेबल्स सेक्टर के शेयरों की लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह प्राइवेट बैंक, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 467.80 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.25 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.45 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,066 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,100 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 176

शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,870 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 594 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2276 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 158.87 अंक की कमजोरी के साथ 84,022.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से पहले 5 मिनट में ही ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 400 अंक उछल कर 225.26 अंक की मजबूती के साथ 84,406.22 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी टिकाऊ नहीं हो सकी। थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे कुछ देर के लिए इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन कुछ देर बाद मंदड़ियों ने दोबारा बिकवाली का दबाव बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम तीन बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,000 अंक से अधिक लुढ़क कर 778.68 अंक की कमजोरी के साथ 83,402.28 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 170 अंक से ज्यादा की रिकवरी करके 604.72 अंक की गिरावट के साथ 83,576.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सर्राफा बाजार की तेजी पर ब्रेक, सोना और चांदी की चमक घटी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार जारी तेजी पर आज ब्रेक लगता नजर आ रहा है। सोना आज 1,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी भी आज दिल्ली में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई। आज आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये से लेकर 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,26,490 रुपये से लेकर 1,26,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 2,51,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,38,140 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है,

जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,26,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,26,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,26,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,26,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,37,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,26,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,26,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,26,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,38,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,26,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,26,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी आई है।

मोटोरोला का बुक-स्टाइल वाला फोल्डेबल फोन लांच

नई दिल्ली। मोटोरोला ने मोटोरोला रेजर फोल्ड फोन लांच कर दिया है। कंपनी का यह बुक-स्टाइल फोल्डेबल फोन कई जबर्दस्त फीचर्स के साथ आता है। कंपनी ने इस फोन को सीईएस 2026 में शोकेस किया है। इसमें 8.1 इंच का इनर डिस्प्ले दिया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन में कंपनी 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दे रही है। इसके अलावा फोन में दो सेल्फी कैमरा भी दिए गए हैं। कंपनी ने इस फोन की कीमत का खुलासा तो अभी नहीं किया है, लेकिन इंडस्ट्री सोर्सेज के अनुसार इसकी शुरुआती कीमत 1500 डॉलर के आसपास हो सकती है। फोन का ग्लोबल लॉन्च इस साल गर्मी के मौसम में हो सकता है। कंपनी ने इस फोन के फीचर्स और स्पेसिफिकेशन्स की सारी डीटेल्स को अभी शेयर नहीं किया है। जितनी जानकारी सामने आई है, उसके अनुसर फोन के एक्सटर्नल डिस्प्ले का साइज बंद रहने पर 6.56 इंच का है। स्क्रीन को स्टैंडर्ड कैंडी बार आस्पेक्ट रेशियो के साथ डिजाइन किया गया है। डिवाइस को ओपन करने पर इसका साइज 8.1 इंच का हो जाता है। यह 2के एलटीपीओ डिस्प्ले है। फोन का सॉफ्टवेयर अडैप्टिल लेआउट के साथ आता है और इसमें मोटो पेन अल्ट्रा स्टायलस का भी सपोर्ट दिया गया है। फोन में कंपनी केच मी अप और नेक्स मूव जैसे ऑन-डिवाइस एआई

फीचर भी दिए गए हैं। फोटोग्राफी के लिए फोन में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा फोन में कंपनी 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड/मैक्रो कैमरा दे रही है। फोन में 50 मेगापिक्सल का एक 3एक्स पेरिस्कोप कैमरा भी दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन में आपको दो कैमरे मिलेंगे। इनमें एक्सटर्नल डिस्प्ले पर दिया गया 32 मेगापिक्सल और इंटरनल डिस्प्ले पर दिया गया 20 मेगापिक्सल का कैमरा शामिल है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ बीसीसीएल का आईपीओ, 13 तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली। कोयले का उत्पादन करने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडरी भारत कोकिंग कोल लिमिटिड (बीसीसीएल) का 1,071.11 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 जनवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 14 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 15 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 16 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। ये आईपीओ साल 2026 का पहला

मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। दोपहर 1:30 बजे तक कंपनी का आईपीओ 5.42 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 600 शेयर का है। बीसीसीएल के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 600 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,800 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स अधिक से अधिक 14 लौट यानी 8,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 1,93,200 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 46.57 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 8 जनवरी गुरुवार को बीसीसीएल ने एंकर इनवेस्टर्स से 273.13 करोड़ रुपये जुटाए। एंकरबुक में सबसे अधिक पैसे देश की सबसे बड़ी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने लगाए।

रिलायंस इंडस्ट्रीज 16 को जारी करेगी तीसरी तिमाही नतीजे

नई दिल्ली। कमाई के सीजन की शुरुआत के साथ ही बीएसई और एनएसई में लिस्टेड कंपनियां वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (Q3) के नतीजों की तारीखें घोषित कर रही हैं। इसी क्रम में मुकेश अंबानी की अगुआई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने भी अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही के नतीजों का शेड्यूल साझा किया है। कंपनी ने गुरुवारएक्सचेंज फाइलिंग के जरिए जानकारी दी कि उसकी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। इस बैठक में 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड अनऑडिटेड वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाएगा और उन्हें मंजूरी दी जाएगी।

विराट कर्ण, नाभा नतेश नागबंधम की हाई-वोल्टेज क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग की

युवा नायक विराट कर्ण की आगामी अखिल भारतीय फिल्म नागबंधम एक और बड़ी उपलब्धि के साथ सुर्खियाँ बटोर रही है। दूरदर्शी फिल्म निर्माता अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित और किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी द्वारा भव्य पैमाने पर निर्मित, यह फिल्म हाल के समय की सबसे महत्वाकांक्षी पौराणिक एक्शन मनोरंजक फिल्मों में से एक बनने की ओर अग्रसर है। इस बीच, टीम नानकरामगुडा स्थित रामानायडू स्टूडियो में रोंगटे खड़े कर देने वाले क्लाइमेक्स सीक्वेंस की शूटिंग कर रही है। निर्माताओं ने एक बेजोड़ दृश्य अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है—सिर्फ क्लाइमेक्स पर ही 20 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिससे यह इस पैमाने की किसी भी अखिल भारतीय फिल्म में अब तक के सबसे महंगे सीक्वेंस में से एक बन गया है। क्लाइमेक्स एक विशाल द्वार के चारों ओर बने एक विशाल सेट पर घटित होता है - प्रतीकात्मक, प्रभावशाली, और अंतिम भाग की भावनात्मक और नाटकीय तीव्रता को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया। प्रोडक्शन डिज़ाइनर अशोक कुमार और उनकी टीम ने इस विशाल सेट का निर्माण बहुत ही बारीकी से किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर विवरण कहानी के पैमाने और रहस्य को बढ़ाए। क्लाइमेक्स के ज़बरदस्त विज़न को जीवंत करने के लिए, टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित थाई स्टंट मास्टर केचा खम्फाकडी को चुना, जो वैश्विक ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपनी अद्भुत गतिशील एक्शन कोरियोग्राफी के लिए जाने जाते हैं। उनकी विशेषज्ञता दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देने वाले स्टंट और युद्ध के दृश्यों को सुनिश्चित करती है, जिससे फिल्म की तीव्रता और भी बढ़ जाती है और ऐसा एक्शन जो जितना रोमांचक है उतना ही शानदार भी। नागबंधम में एक शानदार कलाकार भी है, जिसमें नाभा नतेश और ईश्वर्या मेनन मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बीएस अविनाश महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। भारत के प्राचीन विष्णु मंदिरों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, सदियों पुराने रीति-रिवाजों पर आधारित एक पवित्र और गुप्त परंपरा, नागबंधम से जुड़े रहस्य को उजागर करती है। पद्मनाभस्वामी और पुरी जगन्नाथ जैसे मंदिरों में हाल ही में हुई प्रमुख खजानों की खोज से प्रेरित होकर, यह कथा मिथक, रहस्य और दैवीय संरक्षण की एक मनोरंजक कहानी बुनती है। समकालीन दृष्टिकोण से, यह कहानी लंबे समय से भूले-बिसरे रीति-रिवाजों और आध्यात्मिक विरासतों की पुनर्कल्पना करती है, और पौराणिक कथाओं को रहस्य के साथ मिश्रित करती है। दृश्यात्मक रूप से समृद्ध और बारीकी से तैयार की गई इस फिल्म की छायांकन का जिम्मा सौंदर राजन एस ने संभाला है, जबकि संपादन का काम आर.सी. प्रणव ने संभाला है। नागबंधम तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में बहु-भाषा रिलीज के लिए तैयार है। जैसे-जैसे उत्साह बढ़ रहा है, नागबंधम टीम जल्द ही प्रमोशनल गतिविधियों की शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। रोमांचक टीज़र, पर्दे के पीछे की झलकियाँ और प्रशंसकों की इंटरैक्टिव बातचीत देखने के लिए तैयार हो जाइए, जो इस भव्य रिलीज़ के लिए उत्सुकता को और बढ़ा देंगी। अभिषेक नामा की रचनात्मक प्रतिभा और दमदार कलाकारों के साथ, नागबंधम एक ऐतिहासिक फिल्म बनने के लिए तैयार है, जिसमें रोमांचकारी एक्शन के साथ गहरी भावनात्मक गहराई का मिश्रण है। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे आप मिस नहीं करना चाहेंगे। अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ और नागबंधम पर नज़र बनाए रखें। यह सिनेमाई सफ़र अविस्मरणीय होने का वादा करता है।

लक्ष्मी निवास में राधिका के लिए परिवार ही सब कुछ है : अक्षिता मुद्गल

अभिनेत्री अक्षिता मुद्गल जल्द ही जी टीवी के नए शो लक्ष्मी निवास में नजर आने वाली हैं। इस शो में वह राधिका के किरदार में हैं, जो लक्ष्मी और श्रीनिवास की बड़ी बेटी है। अक्षिता ने अपने किरदार के बारे में बात की और बताया कि राधिका के लिए परिवार ही सब कुछ है। अक्षिता मुद्गल ने अपने किरदार के बारे में बताया, राधिका एक ऐसी लड़की है जो परिवार के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती है। शो लक्ष्मी निवास भारत के मध्यमवर्गीय संयुक्त परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी पर आधारित है। यह सपनों, जिम्मेदारियों और एकजुटता की भावनात्मक कहानी दिखाता है। कई परिवारों की तरह यहां भी अपना घर बनाने और बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने आगे बताया, राधिका का किरदार इस कहानी में नया भावनात्मक रंग जोड़ता है। वह सरल, परिपक्व और पूरी तरह परिवार के लिए मेहनत करने वाली इंसान है। अपने माता-पिता की खुशी को वह अपनी खुशी से ऊपर रखती है। राधिका एक

मजबूत और संयमित लड़की है, जिसके सपने परिवार की इच्छाओं से जुड़े हैं। वह अपनी इच्छाओं को पीछे रख परिवार के लिए त्याग करने को तैयार रहती है। यह किरदार कई भारतीय बेटियों की उन चुप्पी भरी कुर्बानियों को दिखाता है, जो संयुक्त परिवारों में आम हैं। अक्षिता मुद्गल ने कहा, राधिका अपनी जिंदगी माता-पिता और परिवार के लिए जीती है। वह अपने भाई-बहनों से बहुत प्यार करती है और उसके लिए परिवार ही सब कुछ है। उसके सपने भी माता-पिता की इच्छाएं पूरी करने के इर्द-गिर्द घूमते हैं। अगर वे चाहें कि वह शादी करके सुखी हो जाए, तो वह इसके लिए तैयार है। यही उसकी भावनात्मक ताकत है। राधिका परिवार की अहमियत समझने वाली जमीनी इंसान है। असल जिंदगी में मैं इससे काफी अलग हूं, लेकिन राधिका की दुनिया में कदम रखना अच्छा लग रहा है। शो की कहानी लक्ष्मी और श्रीनिवास के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 35 साल से किराए के मकान में रह रहे हैं। उनके दो बड़े सपने हैं, अपना घर बनाना और बच्चों का घर बसाना। रश्मि शर्मा टेलीफिल्म्स के प्रोडक्शन में बना यह शो 12 जनवरी से जी टीवी पर प्रसारित होगा।

खोसला का घोसला 2 पर आई बड़ी खुशखबरी, जानकर झूम उठेंगे दर्शक

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म खोसला का घोसला साल 2006 में रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने खूब प्यार दिया। पिछले साल 2025 में जब निर्माताओं ने सीक्वल का ऐलान किया तो लोगों की ख़ुशी देखने लायक है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और रवि किशन भी इसका हिस्सा हैं। हालांकि, पहली किस्त का हिस्सा रहे बोमन ईरानी को रिप्लेस किए जाने की खबरों ने लोगों को परेशान कर दिया था, लेकिन अब उनसे जुड़ी खुशखबरी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खोसला का घोसला 2 में बोमन अपनी वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वह 8 जनवरी से दिल्ली में चल रही फिल्म की शूटिंग का हिस्सा बनने वाले हैं। इस अपडेट के आने से साफ हो गया है कि रवि सीक्वल में बोमन की जगह नहीं लेंगे। प्रशंसकों के लिए यह दोहरे जश्न का मौका होगा, क्योंकि अनुपम खेर और बोमन के साथ, रवि भी फिल्म में नजर आएंगे। उधर रवि ने एक बयान के जरिए बोमन की जगह लेने वाली खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, सभी कलाकार मौजूद हैं। मैं किसी की जगह नहीं ले रहा हूं। मेरा किरदार नया है। स्क्रिप्ट शानदार है। मेरे सभी प्रशंसक मुझे एक बिल्कुल अलग अवतार में देखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, खोसला का घोसला 2 की शूटिंग अगले 20 दिनों तक जारी रहेगी। इसके बाद फिल्मांकन नोएडा, गुरुग्राम और कनॉट प्लेस जैसी जगहों पर किए जाने की योजना है।

श्रद्धा कपूर कब करेंगी शादी? प्रशंसक के सवाल पर अभिनेत्री ने दिया ये जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी निजी जिंदगी को हमेशा दुनिया की नजरों से दूर रखना चाहती हैं। इसके बावजूद कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ उनकी शादी के चर्चे प्रशंसकों का ध्यान खींचने आ जाते हैं। हाल ही में एक प्रशंसक ने श्रद्धा से उनकी शादी को लेकर सवाल पूछ ही डाला। सोशल मीडिया पर पूछे गए इस सवाल का अभिनेत्री ने ऐसा जवाब दिया है, जो अब खूब वायरल हो रहा है। श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह बताती दिखीं कि आंकड़ों के हिसाब से सबसे ज्यादा ब्रेकअप वैलेंटाइन के आसपास होते हैं। उनके इस वीडियो पर एक प्रशंसक ने लिखा, श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे? जाहिर है कि अभिनेत्री अपनी हाजिरजवाबी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने तुरंत मजेदार जवाब दिया, मैं करूंगी, विवाह करूंगी। श्रद्धा के इस जवाब ने उन अटकलों को हवा दी है, जिसमें कहा जा रहा है कि वह जल्द शादी करेंगी। लेखक राहुल मोदी के साथ, श्रद्धा का नाम लंबे समय से जुड़ रहा है। इन अफवाहों को हवा तब

मिली, जब 2024 में एक डिनट के दौरान दोनों को साथ देखा गया था। कई मौकों पर श्रद्धा और राहुल साथ में नजर आए हैं, लेकिन दोनों ने रिश्ते की अफवाहों पर कभी बयान नहीं दिया। वहीं प्रशंसक अभिनेत्री की शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। काम की बात करें तो श्रद्धा की आगामी फिल्में ईथा और नागिन हैं।

धुरंधर की रफ्तार 33वें दिन पड़ी धीमी, अगस्त्य नंदा की इक्कीस का बुरा हाल

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर धीमी पड़ने लगी है। पिछले साल 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज यह फिल्म लगातार दोहरे नंबरों में कमाई कर रही थी, लेकिन अब कमाई सिंगल आंकड़े में थमती दिख रही है। दूसरी ओर, अगस्त्य नंदा की देशभक्ति पर आधारित फिल्म इक्कीस रिलीज के बाद से ही संघर्ष कर रही है। वीकेंड पर ठीक-ठाक कमाने के बाद इसकी कमाई में भारी गिरावट देखी गई है। आइए जानें दोनों फिल्मों का कारोबार। सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने रिलीज के 33वें दिन 4.75 करोड़ कमाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि 32वें दिन भी इसने बॉक्स ऑफिस पर 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इस तरह 5वें हफ्ते में प्रवेश कर चुकी धुरंधर का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कारोगार 781.75 करोड़ रुपये हो गया है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन भी प्रमुख किरदार में हैं। श्रीराम राघवन के

निर्देशन में बनी फिल्म इक्कीस का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल होते नजर आ रहा है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने छठे दिन बॉक्स ऑफिस पर 1.50 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिसके बाद कुल कारोबार 23 करोड़ रुपये हुआ है। पहले ही हफ्ते में फिल्म की येह दुर्दशा निर्माताओं के लिए भी चिंता का विषय बन गई है। दरअसल, माना जा रहा था कि इक्कीस को नए साल में रिलीज का फायदा मिलेगा, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया।

आग और धुएं के बीच हाथ में गन लिए डेयरिंग लुक में दिखे यश, टॉक्सिक के न्यू पोस्टर ने मचाया हंगामा

रॉकिंग स्टार यश आज 8 जनवरी को अपना 40वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे. यश ने अपने बर्थडे पर फैंस के लिए अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक से बड़ा गिफ्ट तैयार कर लिया है. इससे पहले एक्टर ने फैंस का बड़ा सरप्राइज दिया है. यश का फिल्म टॉक्सिक से एक पोस्टर आया है और इस पोस्टर के साथ एक सरप्राइज भी, जो कल सुबह दर्शकों को मिलने वाला है. टॉक्सिक से कल टीजर रिलीज होगा या ट्रेलर इसका इंतजार है, लेकिन टॉक्सिक से आए यश के नए पोस्टर ने उनके फैंस की दिलों की धड़कनों को जरूर बढ़ा दिया है. मेकर्स ने फिल्म टॉक्सिक से सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें यश का मास अवतार दिख रहा है. वह ऑल ब्लैक लुक में नजर आ रहे हैं और उनका लुक ऋतिक रोशन के कृष लुक से भी मैच कर रहा है. आग और धुएं के बीच हाथ में गन लिए यश का डेयरिंग लुक देखने को मिल रहा है. यकीनन यश अपनी इस फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं. इस पोस्ट के साथ मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक सरप्राइज छोड़ा है. पोस्ट के साथ लिखा है, आज 8 जनवरी को सुबह 10.10 बजे धमाका होगा. अब यह सरप्राइज क्या होगा, कोई नहीं जानता. इस पोस्ट के कैप्शन में यह भी लिखा है, उस एक चीज का खुलासा करते हुए जिसके बारे में उन्होंने आपको चेतावनी दी थी. अब इस पोस्ट और लाइन के पीछे का क्या मकसद है, कल ही पता चलेगा. टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स का इंतजार कर रहे यश के फैंस को बता दें, फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होने जा रही है. इस दिन फिल्म धुरंधर 2 भी रिलीज होगी. अभी तक 2026 का सबसे बड़ा क्लैश धुरंधर 2 और टॉक्सिक के बीच को माना जा रहा है. धुरंधर बीते एक महीने से अभी भी बॉक्स ऑफिस पर नोट छाप रही है और फिल्म का क्रेज खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है. अब लोगों को धुरंधर 2 का बेसब्री से इंतजार है. वहीं, टॉक्सिक से यश पूरे चार साल बाद थिएटर में लौट रहे हैं. अब दर्शकों के लिए बड़ी दुविधा होगी कि वो पहले कौनसी फिल्म देखें. वहीं, अगर यह फिल्म एक साथ रिलीज हुई तो इनकी कमाई पर बड़ा असर पड़ने वाला है.

मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को याद कर भावुक हुई एक्ट्रेस सुरभि चंदना

लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना इन दिनों विदेश यात्रा पर हैं। सात समंदर पार शानदार जगहों पर वक्त बिताने के बावजूद सुरभि अपने शहर मुंबई और खास तौर पर वहां के मशहूर वड़ा पाव को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने इस भावना को सोशल मीडिया के जरिए बड़े ही मजेदार अंदाज में साझा किया है। सुरभि चंदना ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से भारत से बाहर हैं। इस दौरान उन्हें मुंबई की छोटी-छोटी बातें बहुत याद आने लगी हैं। वीडियो में सुरभि यह दिखाती नजर आईं कि कैसे विदेश की खूबसूरत लोकेशंस और आरामदायक जिंदगी के बीच भी उनका दिल मुंबई के ट्रैफिक, सड़कों के गड्ढों और वड़ा पाव के स्वाद को मिस कर रहा है। उन्होंने इस वीडियो में साल 2006 में आई फिल्म 'शादी से पहले' के एक मशहूर डायलॉग का इस्तेमाल किया, जिसमें सुनील शेट्टी का किरदार अपने शहर के लिए तड़पता नजर आता है। सुरभि ने उसी भावना को हल्के-फुल्के और मजाकिया अंदाज में पेश किया। वीडियो में सुरभि यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि अब उनका मन वापस मुंबई लौटने का करने लगा है, ताकि वह अपने शहर की रफ्तार और वहां की जिंदगी को फिर से जी सकें। वीडियो के ऊपर लिखे टेक्स्ट में उन्होंने कहा कि 15 दिन विदेश में बिताने के बाद अब उन्हें मुंबई की असली पहचान याद आने लगी है और ट्रैफिक, वड़ा पाव व गड्ढे देखने की तलब हो रही है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, "मुंबई, वड़ा पाव, तेरी याद आ गई।" सुरभि के इस पोस्ट पर टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने प्रतिक्रिया दी। दिशा परमार ने जहां इसे "बहुत अच्छे" कहा, वहीं मोनालिसा ने ट्रैफिक और गड्ढों वाली बात पर हंसते हुए वीडियो को मजेदार बताया। बता दें कि मुंबई सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यहां बसने वालों के लिए एक खास एहसास है। जो शख्स एक बार इस शहर में रह लेता है, वह दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, मुंबई की यादें उसका पीछा नहीं छोड़तीं।

Mizoram Tourism: Over 22,000 ILPs issued in the last four months

Tourist inflow increases after the opening of Sairang station

New Delhi,Agency: More than 22,000 Inner Line Permits (ILPs) have been issued since the inauguration of the Bairabi-Sairang railway line in Mizoram, police said.

Since the Bairabi-Sairang railway line was inaugurated in September last year, more than 22,000 Inner Line Permits (ILPs) have been issued at the Sairang railway station. A police officer posted at the ILP counter at Sairang station said that a total of 20,914 ILPs were issued to tourists, businessmen and migrant workers from September 13, 2025, after the railway line's inauguration, until the end of last year.An additional 1,517 ILPs were issued between January 1 and 8, bringing the total to 22,431. He added that on average, around 100-200 ILPs are issued every time a train arrives at the station. "Typically, two trains arrive daily,"

The people who came in October and November were tourists

He said most visitors, especially in October and November, were tourists, while the December influx was dominated by migrant workers and traders.

However, on some occasions, violators were apprehended who tried to escape from the police station.

Some beggars were also traced, who were immediately sent back to their native villages. Tourists generally come from various states, including Delhi, West Bengal, and southern states, with the largest number coming from neighboring Assam.The police admitted they are facing a severe staff shortage, as they are currently performing the duties of the Government Railway Police (GRP) in addition to maintaining law and order and managing ILP verification. Speaking on condition of anonymity, the officer said, "Although the GRP hasn't been formally notified yet, we still perform their duties, including traffic and parking control. The staff shortage is a challenge, especially when 1,500-2,000 passengers arrive at a time." Currently, the station has 20 policemen, who sometimes work until 2 a.m. due to train delays and return to duty at 7 a.m.

Maharashtra Election Commission declares public holiday on Jan 15 for civic poll voting

New Delhi,Agency: Ahead of the Maharashtra civic polls, the State Election Commission on Friday announced a public holiday for January 15 in areas under 29 municipal corporations where polling will be held. The public holiday will be applicable to government and semi-government offices, corporations, boards, public undertakings, banks and central government offices within the jurisdiction of the civic bodies, news agency reported. The commission also informed that preparations related to the polls, including the readiness of EVMs (electronic voting machines), have been completed. It urged citizens to take part in the democratic process. State election commissioner Dinesh Waghmare reportedly issued instructions that an adequate number of polling and counting personnel should be appointed along with proper training.

Mahua Moitra carried by cops outside Amit Shah's office as protest against ED raids blows up

New Delhi,Agency: A political controversy erupted over Enforcement Directorate (ED) raids on the office and residence of Indian Political Action Committee (I-PAC) chief Pratik Jain in Kolkata, spilt over to the national capital on Friday as several Trinamool Congress leaders protested outside Home Minister Amit Shah's office in Delhi.

As the protest blew up, cops also got involved and TMC MP Mahua Moitra was seen being carried by police personnel while being detained. "Shame shame shame!", yelled Moitra as she condemned the police action and vowed that her party would win the upcoming Assembly elections in West Bengal.

The Trinamool MP accused Amit Shah of using the ED as "lootera" to gain access of the party's information ahead of elections. "Bengal me hum jeetenge chahe ye jo bhi kar len (We will win in Bengal no matter what they do)," Moitra was heard saying a clip shared by news agency

Not only Moitra, TMC MP Derek O'Brien was also detained by the Delhi Police during the protests.

The TMC members' protest came a day after a dramatic showdown between Bengal chief minister Mamata Banerjee and the ED over the central probe agency's raids at the I-PAC chief's premises.

According to Banerjee, Pratik Jain is the head of TMC's IT Cell, and she alleged that the ED raids were an attempt to procure important documents and data of the Trinamool Congress ahead of elections in Bengal.

"They (ED) were confiscating my party's documents and hard disks, which has details about our candidates for the assembly polls. I have brought those back," was reportedly said on Thursday after she turned up at Jain's premises.

Several courts in Odisha have been put on high alert after receiving threatening emails, with special teams deployed

Odisha,Agency: 'Several courts in Odisha were put on high alert after receiving anonymous threatening emails. Security agencies responded immediately, intensifying investigations, and deployed special teams to prevent any untoward incidents.

Khilari Rishikesh Gyandev said on Thursday that special bomb disposal squads, search teams, and additional security teams have been deployed as per standard operating procedures. He said, "A tip-off was received from a security perspective, and since this is a sensitive matter, standard security drills are being carried out as per protocol to thoroughly check the premises. Security agencies are continuing inspections as part of the drill." He further said that inspections are ongoing and officials are assessing the threat, so further information is awaited. Police is investigating – Director General of Police Director General of Police Yogesh Bahadur Khurana said police have taken cognizance of the anonymous threatening email received yesterday and have launched a thorough investigation. "As a precautionary measure, police surveillance and security arrangements have been strengthened at all relevant locations. The situation is being closely monitored," he said. He urged the public not to panic and requested cooperation.

Upon receiving the email, staff and others were immediately evacuated from the High Court and District Court premises for inspection. The threat created an atmosphere of alert in the courts, and advocates raised security concerns.

Cop dies by suicide at station

Shivamogga,Agency: A police head constable has died by suicide at a police station, leaving behind a death note accusing a colleague of harassment. Muhammad Zakriya, 55, head constable attached to the city traffic police station (west), was found dead at the station's backyard in the early hours on Thursday. After taking some day's of leave, he had resumed duty two days ago, police said.

According to sources, Zakriya performed duties at the Shivamogga private bus terminal on Wednesday night and returned to the station. SP B Nikhil visited the spot. Zakriya's death note accused a colleague of mental harassment and spreading false information about him. The note read: "I've served the dept with dedication for 26 years. A fellow staff member harassed me for the past year, created conflicts, and spread false information. This caused me mental distress and health issues."

Zakriya also mentioned that he had shared his concerns with colleagues and seniors, but to no avail. Police are awaiting a complaint from Zakriya's family to proceed with the investigation.

Nikhil told reporters the deceased cop mentioned harassment in the death note. "We will probe the charges," he added. The native of Shivamogga and is survived by wife and two children.

Teen ends life in Nanjangud

A teenage girl, allegedly distressed by harassment from a boy who allegedly persistently pursued her for love, has taken her life in Nanjangud.

According to the girl's father, Divya, 17, was troubled by a boy's behaviour, which forced her to end her life at her home in Neelakantha Nagar in Nanjangud on Jan 6. Police said she was allegedly harassed by Aditya. Divya was I PU student at a govt college in the town.

No personal objection to merger of 2 NCPs, but decision must be collective: Sunil Tatkare

Chhatrapati Sambhajinagar, Agency: NCP state president Sunil Tatkare on Thursday said he had no personal objection to a possible merger decision of the two NCP factions, but added any such move would have to be taken collectively by the party brass.

His statement came against the backdrop of the two NCPs forming an alliance for municipal corporation elections in some places.

Tatkare said the decision to align with NDA had been discussed within the party for several years, but was repeatedly deferred. "Eventually, we did decide to go with NDA. We faced criticism then, and continue to do so even today. Therefore, if a merger decision is taken in future, it too will have to be a collective one. I have no personal opposition to it," he said while interacting with reporters in Chhatrapati Sambhajinagar on Thursday.

Referring to Sharad Pawar, Tatkare said he was not in a position to advise whether the senior politician should join NDA or not. "I know my limitations. We have already decided to remain with NDA, and we are firm on that stand," he said.

Talking about the ongoing local body elections, Tatkare said both factions of NCP are contesting together in Pune and Pimpri Chinchwad, bringing cheer to party workers who had worked together for years. However, he clarified that deputy chief minister Ajit Pawar's recent remarks about a merger were limited only to Pimpri Chinchwad. "I have not heard him making such statements elsewhere. Therefore, those remarks cannot be given a general interpretation," Tatkare said.

He added no discussion has, so far, been held with him in his capacity as state president of the party regarding a merger. "Ajit Pawar is the national president of the party, and he is entitled to articulate his views. However, at present, this issue is confined to Pune and Pimpri Chinchwad," Tatkare said.

Tatkare also dismissed claims made by Shiv Sena minister Sanjay Shirsat that Sharad Pawar would join NDA. "Usually, he presents his views appropriately, but sometimes he slips," Tatkare said.

Addressing questions on the party's electoral strategy, Tatkare said NCP is not contesting elections to fill any political vacuum left by opponents.

11-year-old heroically saves sister from leopard in Sangli

Kolhapur,Agency: An 11-year-old boy saved his younger sister's life after a leopard pounced on her at Upwale village, in Sangli's Shirala tehsil, on Wednesday night.

The girl, who was wearing a sweater and a cap, sustained minor injuries and was taken to the sub-district hospital in Shirala.

As per the forest department personnel, Sangram Patil's family resides near the Hanuman temple in Upwale. On Wednesday, around 8.30pm, after finishing dinner, Patil's children — 11-year-old Shivam and nine-year-old Swaranjali — were strolling in front of their house holding hands. A leopard, hiding next to the house, suddenly pounced on Swaranjali and caught her by the neck. As the animal started pulling Swaranjali, her hand slipped from Shivam's. Thinking quickly, Shivam grabbed onto his sister's legs. Though the leopard tried to drag the girl away, Shivam did not let go. Meanwhile, the children's mother, Swapnali Patil, ran out to the spot and started screaming to raise an alarm. As people rushed in to help, the leopard loosened its grip and fled into the darkness.

Forest officials said that as Swaranjali was wearing a thick sweater and a cap, the leopard's teeth did not penetrate her neck.

Forest department officials have been deployed in Upwale to trap the leopard. A similar leopard attack had taken place here a year ago.

Forest ranger Anil Waze, of the Shirala range, said, "Our team has been deployed in the Upwale village. Pugmarks of the leopard were found at the spot. Fortunately, the little girl was saved, and she suffered minor wounds to her hand, neck, and back. We request all people here to stay alert and not allow their children to venture out of their homes at night."

Four college students killed in road accident

New Delhi,Agency: Four college students were killed and another student was seriously injured when a sports car they were travelling in rammed into a tree at Mirzaguda near Mokila in Ranga Reddy on the outskirts of Hyderabad in the early hours of Thursday, the police said. The deceased were identified as: Kargayala Sumith (20), Sri Nikhil (20), Devala Surya Teja (20) - all students of Bachelor of Business Administration from ICFAI Business School (IBS) and Balmuri Rohith (18), an engineering student from Mahatma Gandhi Institute of Technology.